RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 161 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 04-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे : राजनाथ सिंह
6 मेजर सतेंद्र धनखड़ : जान पर खेलकर जवानों को बचाया, आतंकवादियों का किया खात्मा
7 बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराध इंसानियत का कत्लेआम : नकवी

फर्स्ट टेक

छत्तीसगढ़ में दो मुठभेड़ में 14 नक्सली मारे गए

सुकमा/बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुरक्षाबलों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सटीक रणनीति, सतत दबाव और मजबूत जमीनी पकड़ के चलते यहां माओवादी नेटवर्क तेजी से ढह रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में 12 नक्सलियों तथा पड़ोसी जिले बीजापुर में दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया।

20 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (भाकपा-माओवादी) के शीर्ष कमांडर बदसे सुक्का उर्फ देवा ने संगठन के 19 भूमिगत लड़ाकों के साथ तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम को पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) और भाकपा (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। तेलंगाना पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने पीएलजीए के हथियारों और गोला-बारूद के भंडार भी सौंप दिए। विज्ञप्ति के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में संगठन का एक अन्य वरिष्ठ कमांडर कंकनला राजी रेड्डी उर्फ वेंकटेश भी शामिल है।

ईरान ने दंगाइयों पर 'सख्ती' की बात कही

दुबई/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता ने शनिवार को देश में अशांति उत्पन्न करने वाले विरोध प्रदर्शनों पर कहा कि ''दंगाइयों पर सख्ती करनी होगी।'' सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां एक सप्ताह से जारी प्रदर्शनों के प्रति अधिकारियों को अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अनुमति देने का संकेत प्रतीत होती है। ईरान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 10 लोगों की मौत हो चुकी है। ऐसे में 86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई की यह पहली टिप्पणी सामने आई है। विरोध-प्रदर्शन का सिलसिला थमता नहीं दिख रहा है और ऐसा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुक्रवार को ईरान को दी गई चेतावनी के बाद हो रहा है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि ''अगर तेहरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हिंसक हत्या करता है'' ''तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा।'' हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप हस्तक्षेप करेंगे या नहीं, यदि करेंगे तो कैसे करेंगे।

04-01-2026 सूर्यास्त 6:06 बजे	05-01-2026 सूर्योदय 6:43 बजे
BSE 85,762.01 (+573.41)	NSE 26,328.55 (+182.00)
सोना 13,985 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 239,500 रु. प्रति किलो

'लव जिहाद' रोकने के प्रयास घर से शुरू हों : मोहन भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख ने शनिवार को कहा कि 'लव जिहाद' को रोकने के प्रयास परिवार से ही शुरू होने चाहिए। उन्होंने इसके लिए परिवारों में संवाद, महिलाओं में जागरूकता और सामूहिक सामाजिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर बल दिया।

आरएसएस की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि संगठन की ओर से यहां आयोजित 'स्त्री शक्ति संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने महिलाओं की सामाजिक भूमिका पर चर्चा के दौरान 'लव जिहाद' के मुद्दे का उल्लेख किया।

'लव जिहाद' शब्द का इस्तेमाल दक्षिणपंथी संगठन मुस्लिम पुरुषों द्वारा हिंदू महिलाओं का कथित तौर पर प्रेम संबंध या शादी के जाल में फंसाकर इस्लाम धर्म में धर्मांतरण कराने के संदर्भ में करते हैं। भागवत ने कहा कि परिवारों को यह आत्ममंथन करना चाहिए कि किसी परिवार की लड़की किसी अजनबी के प्रभाव में कैसे आ जाती है। उन्होंने इसे परिवारों में संवाद की कमी का परिणाम बताया।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस दिशा में तीन स्तरों पर प्रयास जरूरी हैं, जिनमें परिवारों के भीतर निरंतर संवाद, लड़कियों में जागरूकता पैदा करना और स्वयं की रक्षा के लिए उन्हें सक्षम बनाना तथा ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई शामिल है।

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ कर देश से बाहर ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काराकस (वेनेजुएला)/एपी। अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर ''बड़े पैमाने पर हमले'' किये और कहा कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर ले जाया गया है।

मादुरो और उनकी पत्नी को सैन्य अड्डे स्थित उनके घर से रात में पकड़ा गया। उन्हें एक अमेरिकी युद्धपोत पर बैठाकर न्यूयॉर्क ले जाया जा रहा है, जहां उन्हें आपराधिक आरोपों का सामना करना था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को 'फॉक्स न्यूज' पर कहा कि अमेरिका अब वेनेजुएला के लिए आगे के कदमों का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, ''हम इसमें पूरी तरह से शामिल रहेंगे। हम इसका जोखिम नहीं उठा सकते कि कोई और कमान संभाले।''

हमले के लिए विधिक प्राधिकार और क्या ट्रंप ने इससे पहले कांग्रेस से परामर्श किया था- अभी तत्काल स्पष्ट नहीं है। किसी देश के वर्तमान नेता को पद से हटाने की यह चौंकाने वाली, त्वरित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई 1990 में पनामा के अमेरिकी आक्रमण की याद दिलाती है। पनामा पर हमले के दौरान उसके नेता मैनुएल एंटोनियो नोरिएगा ने आत्मसमर्पण किया था और उन्हें पकड़ लिया गया था। अमेरिकी सरकार मादुरो को मान्यता नहीं देती थी, जो आखिरी बार शुक्रवार को काराकस में चीनी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करते हुए सरकारी टेलीविजन पर दिखाई दिए थे।

मादुरो और अन्य वेनेजुएला अधिकारियों को 2020 में नार्को-आतंकवाद साजिश के आरोप में अभ्यारोपित किया गया था, लेकिन न्याय विभाग ने शनिवार को मादुरो और उनकी पत्नी, सिलिया फ्लोरेस के खिलाफ एक नया अभियोग जारी किया, जिसमें उन पर नार्को-आतंकवाद साजिश में भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ट्रूथ सोशल मिडिया पर जारी की गई राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की छवि

वेनेजुएला में सुरक्षित सत्ता हस्तांतरण तक अमेरिका प्रशासन संभालेगा : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वेनेजुएला में सुरक्षित सत्ता हस्तांतरण होने तक अमेरिका उस देश का प्रशासन संभालेगा। ट्रंप ने कहा कि सत्ता हस्तांतरण होने तक अमेरिका वेनेजुएला का प्रशासन चलाएगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी उपस्थिति पहले से ही स्थापित है, हालांकि इस बात के तत्काल कोई संकेत नहीं थे कि अमेरिका देश चला रहा है। ट्रंप ने कहा, ''हम लातिन अमेरिकी देश की बागडोर तबतक संभालेंगे जब तक हम एक सुरक्षित, उचित और विवेकपूर्ण सत्ता हस्तांतरण नहीं कर लेते।''

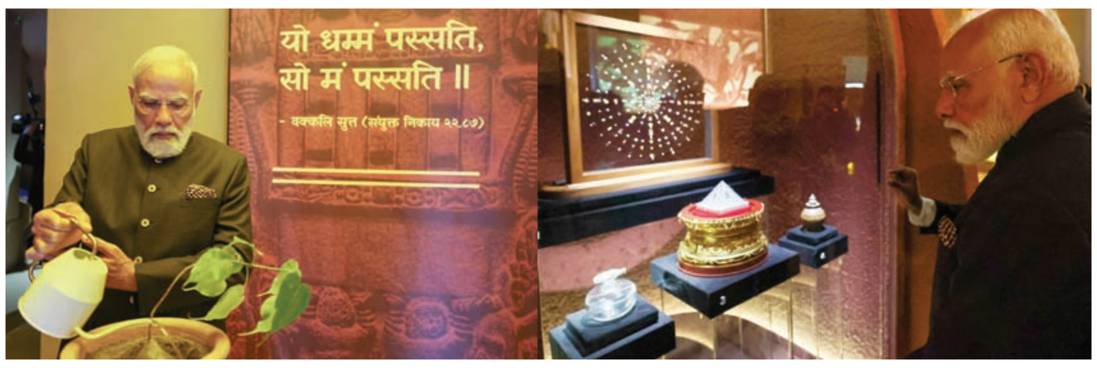

बुद्ध के पवित्र अवशेष भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बुद्ध से जुड़ी वस्तुओं की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि ये केवल वस्तुएं नहीं हैं बल्कि भारत की वंदनीय विरासत का अटूट हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र पिपरहवा अवशेष वियतनाम, थाईलैंड और रूस समेत उन विभिन्न देशों की यात्रा कर चुके हैं जहां बौद्धों की आबादी अधिक है। उन्होंने कहा कि इन देशों में आस्था और भक्ति की लहरें उठीं तथा लोग बड़ी संख्या में श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध की यह साझा विरासत इस बात का प्रमाण है कि भारत केवल राजनीति, कूटनीति और अर्थव्यवस्था के माध्यम से ही नहीं, बल्कि भावनाओं, आस्था और आध्यात्मिकता के गहरे बंधनों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है। मोदी दक्षिण दिल्ली के किला राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में 'लाइट एंड लोटस: रेलिक्स ऑफ द अवेकंड वंस' नामक प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार और गोदरेज समूह के हस्तक्षेप से ये पवित्र अवशेष 125 वर्षों से अधिक समय बाद भारत लाए गए हैं। मोदी ने कहा कि दोनों ने मिलकर पिछले साल मई में हांगकांग में इनकी नीलामी रोकी थी। प्रधानमंत्री ने बौद्ध विद्वानों, राजनयिकों और अन्य अतिथियों की उपस्थिति में कहा, भारत के लिए, बुद्ध के पवित्र अवशेष केवल अवशेष नहीं हैं, बल्कि हमारी वंदनीय विरासत व सभ्यता का एक अटूट हिस्सा हैं। मोदी ने कहा, ''भारत न केवल भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का संरक्षक है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जन्मस्थान गुजरात का वडनगर बौद्ध अध्ययन का एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है और वाराणसी के पास स्थित सारनाथ, जहां भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, उनकी कर्मभूमि है। मोदी संसद में वाराणसी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की नई पीढ़ी को मैकाले की मानसिकता से बाहर निकालेगी : प्रधान

नागपुर/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) देश की नई पीढ़ी को ''मैकाले मानसिकता'' से बाहर निकालने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को लागू करने का माध्यम होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 29 जुलाई, 2020 को घोषित की गई थी। इसमें स्कूली शिक्षा के साथ-साथ उच्च और तकनीकी शिक्षा में भी कई सुधारों का प्रस्ताव है। प्रधान एक कार्यक्रम के लिए यहां आये थे और उन्होंने इस दौरान 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए कहा कि एनईपी अब अपने छठे वर्ष में है, यह एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि देश को मैकाले मानसिकता' से बाहर निकलने की जरूरत है। एनईपी 2020 देश की नई पीढ़ी को मैकाले मानसिकता' से बाहर निकालने का माध्यम बनेगी।'' प्रधान ने कहा, ''भारत युवाओं का देश है और शिक्षा विभाग की यह जिम्मेदारी है कि वह मातृभाषा में शिक्षा, योग्यता और कौशल आधारित अध्ययन के माध्यम से युवाओं और भावी पीढ़ियों को तैयार करे।'' केंद्रीय मंत्री ने शिक्षा में समग्र मूल्यांकन, उद्यमिता और नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को केवल नौकरी चाहने वाले ही नहीं बल्कि नौकरी सृजनकर्ता भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में काम कर रही है।

सत्रह नवंबर को नई दिल्ली में छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से थॉमस मैकाले द्वारा फैलाई गई गुलामी की मानसिकता से देश को मुक्त करने का संकल्प लेने का आग्रह किया था।

सबसे ज्यादा जरूरतमंद लोगों तक न्याय पहुंचना चाहिए : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> ■ कानून सिर्फ उन लोगों के लिए नहीं है जो इसे वहन कर सकते हैं, बल्कि उन सभी के लिए है जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है।

पटना/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि कानून प्रणाली में सहानुभूति होना जरूरी है, क्योंकि इसी से एक न्यायपूर्ण समाज और अन्यायपूर्ण समाज में फर्क होता है। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय सबसे ज्यादा उन लोगों और समुदायों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने ये बातें पटना के चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में कहीं। उन्होंने युवा वकीलों को याद दिलाया कि करियर में मेहनत और जोश होना जरूरी है, लेकिन इसके कारण संवेदनशीलता व नैतिक भावनाओं का नुकसान नहीं होना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, कई युवा वकील मानते हैं कि सफलता के लिए काम, नियमों और उम्मीदों के प्रति पूरी तरह समर्पित होना जरूरी है। कुछ समय के लिए यह जोश आवश्यक है, लेकिन इससे मन की संवेदनशीलता नहीं मिटनी चाहिए। अगर कानून आपके जीवन के हर हिस्से पर हावी हो जाता है, तो आप उस सहानुभूति और न्याय के लिए जरूरी समझ खो सकते हैं जो सही न्याय के लिए जरूरी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हमारी कानूनी प्रणाली में यही सहानुभूति एक न्यायपूर्ण समाज को अन्यायपूर्ण समाज से अलग करती है।

उन्होंने युवा वकीलों से कहा, जब आप इस विश्वविद्यालय से विदा होंगे, तो याद रखें कि कानून सिर्फ उन लोगों के लिए नहीं है जो इसे वहन कर सकते हैं, बल्कि उन सभी के लिए है जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। आपके ऊपर यह जिम्मेदारी है कि आप अपनी क्षमताओं का उपयोग लोगों के लाभ के लिए करें। जैसा कि मैं अक्सर कहता हूं, सवाल यह नहीं है कि आपने कानून सीखा है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या आप कानून को बेहतर बनाने और न्याय की दिशा उन समुदायों की ओर मोड़ने के लिए तैयार हैं जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने बिहार के इतिहास की सराहना करते हुए कहा कि यह भूमि, तार्किक विचारकों और न्यायशास्त्र के महान चिंतकों की भूमि है।

पाकिस्तान की ओर होने वाले अनियंत्रित जल प्रवाह रोकने के लिए

उझ परियोजना के साथ नहर प्रणाली को मंजूरी दी गई : जितेंद्र सिंह

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में उझ बहुउद्देश्यीय परियोजना के साथ नहर प्रणाली को मंजूरी दी गई है, ताकि पाकिस्तान की ओर होने वाले अनियंत्रित जल प्रवाह पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष आई बाढ़ से सार्वजनिक संपत्ति और अन्य ढांचों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश को 1,400 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह कठुआ जिले में विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह जिला उनके उधमपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। सिंह ने कहा कि उझ नदी पर नहर प्रणाली को मंजूरी दी गई है ताकि पानी के अनियंत्रित प्रवाह को पाकिस्तान की ओर जाने से रोका और नियंत्रित किया जा सके।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गड़बड़झाला

कर डाली सब त्याज्य लगामें,
फिसलन भरी जुबानों ने।
उद्वेलित सबको कर डाला,
जिनके तल्ख बयानों ने।
शर्मसार लज्जा कर डाली,
उम्रदराज सयानों ने।
सत्ता पाने की अब ठानी,
नाकाबिल नादानों ने।।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

कल के अंक से साथ पाइए कैलेन्डर

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
के पाठकों को नव वर्ष की अनूठी सौगात
हर वर्ष की तरह इस बार भी
आर्ट पेपर वाला बहुरंगी कैलेन्डर

वर्ष 2026 कैलेंडर

अपनी प्रति आज ही सुरक्षित करा लें।

कैलेन्डर के साथ अंक की कीमत ₹. 10/-

वर्ष-2026 का बहु प्रतीक्षित कैलेंडर

कल सोमवार 5.1.2026 के अंक के साथ

इस आकर्षक कैलेण्डर में हिन्दी व अंग्रेजी दोनों ही तिथियों का संदर्भ दिया गया है, साथ ही संबंधित तिथि को पड़ने वाले विशेष अवसर को चित्रित भी किया गया है।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह भारत के राजस्व में प्रमुख योगदानकर्ता बनेगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजयपुरम/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को जोर देकर कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह अगले 10 वर्षों में देश के राजस्व में एक प्रमुख योगदानकर्ता बन जाएगा। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि दो वर्षों में भारत वर्तमान में चौथे स्थान से आगे बढ़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

शाह अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में 373 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने द्वीपसमूह में अंतरराष्ट्रीय माल ढुलाई परियोजना, तेल अन्वेषण परीक्षण और अन्य विकासात्मक परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए कहा कि द्वीपों के इस समूह को कभी देश के राजस्व पर बोझ माना जाता था। उन्होंने कहा, लेकिन आज, (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी की दूरदृष्टि के तहत, मुझे विश्वास है कि अगले 10 वर्षों के बाद, यह द्वीपसमूह देश के राजस्व में एक प्रमुख योगदानकर्ता होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत अब विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, और मुझे विश्वास है कि दो वर्षों में यह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। शाह ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को राष्ट्रीय ध्वज फहराकर अंडमान को मुक्त कराया था और उनकी इच्छा के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी ने उनके सम्मान में अंडमान एवं निकोबार के दो द्वीपों का नाम क्रमशः 'शहीद' और 'स्वराज' रखा है। उन्होंने कहा, स्वतंत्र भारत में रहने वाले प्रत्येक भारतीय के लिए यह भूमि एक तीर्थस्थल है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, सेनानियों पर हुए अत्याचार और उनकी आवाज दुनिया तक नहीं पहुंच सकी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि अब वीर सावरकर का स्मारक और सेलुलर जेल में जलती मशाल दुनिया को बता रही है कि कई शहीदों ने यहां अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किए जाने का जिक्र करते हुए कहा, मोदी जी ने द्वीपों का नामकरण वीर योद्धाओं के नाम पर करने का कार्य अपने हाथ में लिया है। शाह ने नए आपराधिक कानूनों पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में हो रहे परिवर्तनों को समझने के वास्ते लोगों को ब्रिटिश कानूनों को समाप्त करने के लिए लागू की गईं न्याय संहिताओं पर आधारित प्रदर्शनी अवश्य देखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''आज के समय में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह हमारी स्वतंत्रता, संप्रभुता, समुद्री शक्ति और आर्थिक गतिविधियों का केंद्रबिंदु बन गया है।'' शाह ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थिति के कारण, इन द्वीपों में समुद्री अर्थव्यवस्था के लिए अपार संभावनाएं और पर्यटन के लिए व्यापक क्षमता है, तथा केंद्र इसकी विरासत को संरक्षित करते हुए पूरे द्वीपसमूह को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

साइबर अपराधियों ने वरिष्ठ नागरिकों से हजारों करोड़ रुपये लूटे : प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि वह देश में साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं से हतप्रभ हैं, जिसके कारण आम लोगों, खासतौर पर वरिष्ठ नागरिकों से हजारों करोड़ रुपये लूट लिए गए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत पटना के बाहरी इलाके पोथाही में एक समारोह को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने बिहार न्यायिक अकादमी के एक नये परिसर की आधारशिला रखी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, जिला न्यायपालिका के लिए नागरिक या आपराधिक कानूनों में नवीनतम जटिलताओं, जैसे कि तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों से अवगत रहने का एकमात्र प्रभावी मंच न्यायिक अकादमी ही है। उन्होंने कहा, आप सभी ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि आपको डिजिटल अरेस्ट' जैसे अपराधों के बारे में सुनने को मिलेगा। साइबर अपराध दिन-रात अंजाम दिए जा रहे हैं और इनके तहत खास तौर पर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि ये भारतीय न्यायपालिका के सामने आने वाली नवीनतम चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, मैं यह जानकर हतप्रभ रह गया कि अकेले भारत में ही वरिष्ठ नागरिकों से कुछ सौ करोड़ नहीं, बल्कि हजारों करोड़ रुपये साइबर अपराधों के जरिये की गई जबरन वसूली के तहत हड़प लिए गए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि लिहाजा इस तरह की आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए न्यायिक अधिकारियों को गहन प्रशिक्षण देना और उन्हें अपडेट रखना बेहद जरूरी है।

दिल्ली दंगा मामला : उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत अर्जियों पर फैसला कल

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर पांच जनवरी को फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इन याचिकाओं पर आदेश पारित करेगी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 10 दिसंबर को दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू तथा आरोपियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा की दलीलें सुनने के बाद आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उमर, शरजील और अन्य पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है। उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और भारतीय न्याय संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था।

अनकापल्ली में दवा कंपनी के कारखाने में हुआ विस्फोट, कोई हताहत नहीं

रामबिल्ली (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली में 'एसवीएस फार्मा' की फैक्टरी में शनिवार को विस्फोट हो गया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अनकापल्ली के पुलिस अधीक्षक तुहिन सिन्हा ने बताया कि रामबिल्ली के विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में स्थित इस दवा कंपनी में अपराह्न 4.15 बजे से 4.30 बजे के बीच विस्फोट हुआ। सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' यह विस्फोट अनकापल्ली जिले के रामबिल्ली एसईजेड क्षेत्र में स्थित एसवीएस फार्मास्युटिकल कंपनी में हुआ।''

पुलिस के अनुसार, विस्फोट के समय परिसर के अंदर लगभग 10 लोग मौजूद थे और वे सभी सुरक्षित बाहर आ गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''हम श्रमिकों की सूची का सत्यापन कर रहे हैं और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं।''

उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियां लगायी गयी हैं।

पुलिस ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए 'कारखानों और बॉयलर' निरीक्षकों को जांच के लिए लगाया गया है। सिन्हा ने कह कि घटनास्थल से धुएं का गुबार उठता देखा गया, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर आसपास की औद्योगिक इकाइयां खाली करवा ली गयी हैं।

भारत-बांग्लादेश के बीच राजनीतिक तनाव के कारण द्विपक्षीय क्रिकेट पर संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश के बीच बिगड़ते राजनयिक संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट कुछ समय के लिए ठप पड़ सकता है और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा कार्यक्रम की घोषणा के बावजूद भारतीय टीम के दौरे की संभावना कम है। बीसीबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि सितंबर में दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की छह मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। उसने बीसीसीआई से परामर्श करने का दावा करते हुए तारीखों की घोषणा भी की।

बीसीबी के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम के 28 अगस्त को बांग्लादेश पहुंचने के बाद एक, तीन और छह सितंबर को तीन वनडे मैच खेलेगी जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नौ, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे। यह श्रृंखला मूल रूप से पिछले साल आयोजित होने वाली थी लेकिन भारतीय बोर्ड की सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे अनिश्चितकाल के लिए रद्द कर दिया गया था। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि बीसीसीआई इस बार भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है, जिसका एक बड़ा संकेत आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देना है। बांग्लादेश पिछले छह महीने से राजनीतिक हिंसा की चपेट में है और बीसीसीआई इस अस्थिरता की स्थिति में इस देश के दौरे का जोखिम नहीं लेना चाहता है। बांग्लादेश को हालांकि अगले महीने से ही टी20 विश्व कप मैचों के लिए भारत आना है। बीसीसीआई के निर्देशों पर रहमान को आईपीएल से रिलीज' किए जाने के बाद बीसीबी का इस पर रुख सबकी नजरों में रहेगा। हालात अगर और बिगड़ते हैं तो भारत और पाकिस्तान के बीच जैसी स्थिति उत्पन्न होना पूरी तरह से इनकार नहीं किया जा सकता है। भारत और पाकिस्तान अपने सभी आईसीसी मैच तटस्थ मैदानों पर खेलते हैं क्योंकि पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद उनके संबंध और भी खराब हो गए हैं। टी20 विश्व कप का बहुप्रतीक्षित भारत-पाकिस्तान मैच अगले महीने श्रीलंका में खेला जाएगा। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए।

शहरी विकास को लेकर महाराष्ट्र सरकार का दृष्टिकोण दीर्घकालिक : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सांगली/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि शहरी विकास को लेकर उनकी सरकार का दृष्टिकोण दीर्घकालिक है जो आधुनिक शहर सुनिश्चित करता है।

फडणवीस 88 सदस्यीय सांगली-मिराज-कुपवाड नगर निगम चुनाव के सिलसिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लोगों से 15 जनवरी को होने वाले चुनाव में भाजपा नीत गठबंधन को बहुमत देने का आग्रह किया ताकि विकास प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सांगली आधुनिक सुविधाओं से लैस एक स्वच्छ शहर बने। सांगली में हवाई अड्डा के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने सांगली में एक ''ट्रक टर्मिनल'' तथा मिराज में संगीत विरासत पार्क और वाद्य यंत्र संग्रहालय बनाने का भी वादा किया। फडणवीस ने रैली में कहा कि उनकी सरकार ने अतिक्रमणों को नियमित करने का फैसला किया है ताकि झुग्गीवासियों को पुनर्विकास में स्वामित्व अधिकार मिल सकें।

उन्होंने कहा, सांगली और कोल्हापुर के लिए बाढ़ जल निकासी परियोजना पर काम चल रहा है। इसके तहत बाढ़ के पानी को पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के सूखाग्रस्त क्षेत्रों की ओर मोड़ा जाएगा।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बैठक की तस्वीर साझा करते हुए कहा, 'पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।'' एक अन्य पोस्ट में राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी मुर्मू से मुलाकात की।

हैदराबाद में विधायक के बेटे का गांजा टेस्ट पॉजिटिव आया

हैदराबाद/भाषा। आंध्र प्रदेश के एक भाजपा विधायक के बेटे को शनिवार को यहां कथित तौर पर मादक पदार्थ का सेवन करते हुए पाया गया और बाद में उसे नशामुक्ति केंद्र भेज दिया गया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। तेलंगाना के एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट (ईएजीएल) के अधिकारियों ने कुछ व्यक्तियों द्वारा गांजा सेवन की सूचना मिलने के बाद एक विला का निरीक्षण किया। ईएजीएल टीम को परिसर में तीन लोग मिले। सूत्रों के अनुसार, विधायक आदि नारायण रेड्डी के बेटे सुधीर का मादक पदार्थों के सेवन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया और उसने कथित तौर पर आक्रामक व्यवहार किया। अन्य दो व्यक्तियों का परीक्षण नेगेटिव आया। सूत्रों ने बताया कि सुधीर को बाद में उसके पारिवारिक डॉक्टर द्वारा नशामुक्ति केंद्र ले जाया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सुधीर की पहचान गांजा सेवन करने वाले व्यक्ति के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा, चूंकि वह उपभोक्ता हैं, इसलिए हम उनके माता-पिता को बुलाकर परामर्श करेंगे। इस मामले पर भाजपा विधायक की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसी बीच, आंध्र प्रदेश में वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने दावा किया कि सुधीर पहले भी मादक पदार्थों के एक मामले में संलिप्त पाया गया था।

दूषित पेयजल त्रासदी : कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं में टकराव, 45 लोग एहतियातन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। इंदौर में दूषित पेयजल के कारण उल्टी-दस्त के प्रकोप से लोगों की मौत के बाद सुर्खियों में आए भागीरथपुरा इलाके में कांग्रेस के 45 नेताओं को पुलिस ने शनिवार को एहतियातन गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। देश के सबसे स्वच्छ शहर में सामने आई दूषित पेयजल त्रासदी को लेकर कांग्रेस ने सूबे के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा की अगुवाई में जांच समिति बनाई है जिसमें कांग्रेस के दो विधायक महेश परमार और प्रताप ग्रेवाल शामिल हैं। जांच समिति के सदस्य जब कांग्रेस के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ भागीरथपुरा में पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे थे तभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता वहां जमा हो गए।

चश्मदीदों ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के दल को काले झंडे दिखाए और 'वापस जाओ-वापस जाओ' के नारे लगाने शुरू कर दिए। जवाब में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी नारेबाजी शुरू कर दी जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। उन्होंने बताया कि दोनों धुर प्रतिद्वंद्वी दलों के कार्यकर्ता आपस में गुत्थम-गुत्था हो गए और उन्होंने एक-दूसरे पर चप्पलें भी फेंकीं। भारी हंगामे के बीच पुलिस ने कांग्रेस की जांच समिति के सदस्यों और पार्टी के अन्य नेताओं को भागीरथपुरा से बाहर निकाला और केंद्रीय कारागार ले गई। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेश व्यास ने पीटीआई-भाषा' को बताया, ''भागीरथपुरा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बरकरार रखने के लिए 10 महिलाओं समेत 45 लोगों को एहतियातन गिरफ्तार किया गया और बाद में मुचलके पर रिहा कर दिया गया।''

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर पुलिस ने उन्हें भागीरथपुरा के पीड़ित परिवारों से मिलने से रोका। उधर, भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस पेयजल त्रासदी पर ओछी राजनीति कर रही है। जिला प्रशासन ने भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से फैले उल्टी-दस्त के प्रकोप में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि की है। हालांकि, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने शुक्रवार को कहा था कि उन्हें इस प्रकोप के कारण 10 मरीजों की मौत की जानकारी मिली है।

चार वर्षों में 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां दीं : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि चार वर्षों में युवाओं को 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां प्रदान करना सार्वजनिक भर्ती में योग्यता, पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति उनकी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मान ने चंडीगढ़ में आयोजित एक समारोह में शिक्षा विभाग में नवनियुक्त 606 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें 385 विशेष शिक्षा शिक्षक, 157 प्राथमिक शिक्षक, आठ प्रधानाचार्य और मानवीय आधार पर भर्ती किए गए 56 कर्मचारी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, अप्रैल 2022 में सत्ता संभालने के बाद हमारी सरकार ने एक व्यापक भर्ती अभियान शुरू किया, जिसके तहत अब तक 61,281 सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि हर नियुक्ति पूरी तरह से योग्यता के आधार पर पारदर्शी तरीके से की गई और एक भी नियुक्ति को अदालत में चुनौती नहीं दी गई। मान ने कहा कि पहले युवाओं को नियुक्ति पत्र के लिए अनिश्चित काल तक इंतजार करना पड़ता था, वे बेसब्री से अखबारों और डाकपेटियों को देखते रहते थे। उन्होंने कहा, वो दिन बीत चुके हैं। आज पंजाब सरकार ने एक ऐसी व्यवस्था लागू की है, जहां योग्य युवाओं को उनकी क्षमता के आधार पर ही नौकरियां मिलती हैं। पूर्ववर्ती सरकारों पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए मान ने कहा कि पिछली सरकारें योग्यता और क्षमता का सम्मान करने में विफल रहीं तथा उन्होंने सरकारी नौकरियां अपने बेटों, भतीजों और चहेतों के बीच बांट दीं। पिछली सरकारों ने योग्य युवाओं के दर्द को कभी महसूस ही नहीं किया, जो रोजगार की तलाश में दर-दर भटकने को मजबूर थे। महज चार वर्षों में हमने यह सुनिश्चित किया है कि पंजाब के हर गांव, कस्बे और शहर के युवाओं को योग्यता के आधार पर ही रोजगार मिले। मान ने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने आम परिवारों के युवाओं के लिए अवसरों के दरवाजे खोले हैं। उन्होंने कहा, आज मेहनती युवाओं को आगे बढ़ने का उचित मौका मिल रहा है। पारंपरिक राजनीतिक दल अपने परिवार को ही पंजाब मानते थे, लेकिन मेरे लिए पूरा पंजाब ही मेरा परिवार है।

पवित्र पिपरहवा रत्नों की 'घर वापसी' खुशी और उत्सव का विषय : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि औपनिवेशिक शासनकाल के दौरान पवित्र पिपरहवा अवशेषों का एक हिस्सा देश से बाहर ले जाया गया था, और अब उत्तर भारत में 1898 में हुई खुदाई के दौरान मिली बुद्ध से संबंधित कलाकृतियों की प्रदर्शनी, साथ ही हाल ही में वापस लाए गए रत्नों की प्रदर्शनी खुशी और उत्सव का विषय है। राय पिथोरा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित भव्य प्रदर्शनी 'लाइट एंड द लोटस: रेलिक्स ऑफ अवेकंड' का उद्घाटन शनिवार को सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इन अवशेषों की खोज मूल रूप से 1898 में पिपरहवा (वर्तमान में उत्तर प्रदेश में) में विलियम क्लैक्सटन पेप्पे द्वारा की गई थी। संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि यह ऐतिहासिक घटना भगवान बुद्ध के पिपरहवा रत्न अवशेषों के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिन्हें 127 वर्षों के बाद वापस लाया गया है, साथ ही 1898 की खुदाई और उसके बाद 1971-1975 में पिपरहवा स्थल पर हुई खुदाई से प्राप्त अवशेषों, रत्न अवशेषों और अवशेष पात्रों का भी पुनर्मिलन हुआ है।

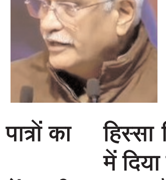

इसने कहा कि इसमें छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर वर्तमान तक की 80 से अधिक वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें मूर्तियां, पांडुलिपियां, थांगका और अनुष्ठानिक वस्तुएं शामिल हैं। संस्कृति मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि इनकी खोज के बाद, इनके कुछ हिस्सों को विश्व स्तर पर वितरित किया गया, जिनमें से एक हिस्सा सियाम के राजा को उपहार में दिया गया, दूसरा इंग्लैंड ले जाया गया और तीसरा हिस्सा कलकत्ता (अब कोलकाता) स्थित भारतीय संग्रहालय में संरक्षित किया गया। ब्रिटिश मूल के पेप्पे के वंशजों द्वारा संरक्षित अवशेषों का एक चयन पिछले साल सात मई को सोथबीज हांगकांग द्वारा नीलामी के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

मंत्रालय के अनुसार, हालांकि, नीलामी रोक दी गई और मंत्रालय के विश्व भर के बौद्ध समुदायों के समर्थन से किए गए ''निर्णायक हस्तक्षेप'' के माध्यम से 2025 में अवशेष वापस कर दिए गए। शेखावत ने कहा कि 127 साल बाद यह पवित्र पिपरहवा रत्नों की घर वापसी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इसके दो अलग-अलग रखे गए हिस्सों को अब इस प्रदर्शनी के माध्यम से फिर से एक साथ लाया जा रहा है, ताकि लोग उन्हें देख सकें। मंत्री ने कहा, ''यह खुशी और उत्सव का विषय है, और हमारे लिए यह वैश्विक प्रेरणा का क्षण भी है।'' उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के दौरान अवशेषों का कुछ हिस्सा देश से बाहर ले जाया गया था। मंत्री ने बताया कि प्रदर्शनी में खुदाई से संबंधित 1898 की कलाकृतियां और उससे जुड़े रिकॉर्ड प्रदर्शित किए गए हैं। शेखावत ने अपने संबोधन में गोदरेज फाउंडेशन को भी धन्यवाद दिया।

जनार्दन रेड्डी को 'बल्लारी गणराज्य' स्थापित नहीं करने देंगे : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बल्लारी में हिंसक झड़पों के संबंध में कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी का बचाव करते हुए, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि सरकार भाजपा विधायक जी जनार्दन रेड्डी को फिर से अपना 'तथाकथित बल्लारी गणराज्य' स्थापित करने की अनुमति नहीं देगी। शिवकुमार ने कहा कि बल्लारी घटना के बाद सरकार आग्नेयास्त्र रखने की अनुमति देने के लिए सख्त उपायों पर विचार कर रही है। बल्लारी में बृहस्पतिवार को झड़प के दौरान हुई गोलीबारी में कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी।

कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, ''पुलिस जांच से पता चलेगा कि गोली किसकी बंदूक से चलाई गई थी।'' उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और दोषी पाये जाने वाले लोगों को दंड़ित किया जायेगा। बृहस्पतिवार की रात बल्लारी के कुछ इलाकों में तब तनाव व्याप्त हो गया था, जब बल्लारी शहर के विधायक नारा भरत रेड्डी और गंगावती क्षेत्र के विधायक जी जनार्दन रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर से जुड़े एक मुद्दे पर कथित तौर पर झड़प हो गई थी। शिवकुमार ने कहा, ''हमारी सरकार पहली बार बल्लारी में वाल्मीकि की प्रतिमा स्थापित कर रही है। हमारे विधायक भरत रेड्डी ने इसकी जिम्मेदारी ली है। बल्लारी शहरभर में वाल्मीकि के पोस्टर लगाए गए हैं।'' उन्होंने कहा, ''कभी-कभी बेंगलूरु में मेरे घर के सामने भी भाजपा कार्यकर्ता पोस्टर लगा देते हैं। क्या मैं कह सकता हूं कि ऐसा मत करो'? वे तो मुख्यमंत्री के आवास के सामने भी ऐसा करते हैं।'' शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा, ''क्या मुद्दा है? आपको (जनार्दन रेड्डी को) किस बात से परेशानी हुई? हम वाल्मीकि प्रतिमा की स्थापना के उपलक्ष्य में एक समारोह आयोजित कर रहे थे। आपके घर के सामने वाली सड़क सरकारी संपत्ति है, और पोस्टर भी सरकारी संपत्ति पर ही लगाया गया था। इसमें क्या साजिश थी? झगड़ा करने की क्या जरूरत थी?'' उन्होंने कहा, ''हमने एक पार्टी कार्यकर्ता को खो दिया है। हमारे कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई और इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है।'' जांच जारी होने की बात बताते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या), गृह मंत्री परमेश्वर और जिला प्रभारी

मंत्री इस मामले पर बात कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, ''पुलिस जांच जारी रहने के दौरान मैं हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। पूर्व मंत्री रेवन्ना के नेतृत्व में पांच पार्टी नेताओं की एक टीम वहां जा रही है। मैंने उन्हें भेजा है।'' शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा संसदीय और विधानसभा चुनावों में बल्लारी में अपनी हार और कांग्रेस की प्रगति को पचा नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि हार के बाद जनार्दन रेड्डी और पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता बी श्रीरामुलु फिर साथ आ गए हैं।

उन्होंने कहा, ''भले ही वे एक साथ आ जाएं, लेकिन वे जानते हैं और हम भी जानते हैं कि उनके बीच आंतरिक रूप से क्या चल रहा है। मैं उनके मामलों और अन्य मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता। लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में, हम उन्हें बल्लारी में पुरानी स्थिति बहाल नहीं करने देंगे। हम उन्हें अपना 'बल्लारी गणराज्य' स्थापित नहीं करने देंगे।''

शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संयम बरतने के लिए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने दावा किया कि अनुशासन बना हुआ था और जनार्दन रेड्डी की वापसी से पहले बल्लारी में कोई राजनीतिक झड़प, घटना या प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई थी। जनार्दन रेड्डी को सितंबर 2011 में सीबीआई द्वारा अवैध खनन मामलों के संबंध में गिरफ्तार किए जाने के बाद बल्लारी, अनंतपुर और कुरनूल जिलों में प्रवेश करने से रोक दिया गया था और उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद 2024 में वह अपने गृहनगर बल्लारी लौटे थे। निजी आग्नेयास्त्रों के मुद्दे पर शिवकुमार ने कहा कि ''सरकार कार्रवाई पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, राज्य के गृह मंत्री से चर्चा के बाद हम उपायों की सूची बनाएंगे और सख्त नियमों पर फैसला लेंगे। केंद्र सरकार से निजी हथियारों के दुरुपयोग के बारे में भी बात करना जरूरी है। राज्य में यह दूसरी ऐसी घटना है। हम इस मामले की सावधानीपूर्वक जांच कर रहे हैं।'' घटना के बाद बल्लारी के एसपी पवन नेज्जुर के निलंबन के बारे में पूछे सवाल का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्हें हर चरण में घटनाक्रम की जानकारी थी और घटना के बारे में पता चलने के कुछ ही मिनटों के भीतर उन्होंने पुलिस अधीक्षक से बात की थी। उन्होंने कहा, ''मैंने पूर्व जिला प्रभारी एसपी, आईजी, विधायकों और श्रीरामुलु समेत अन्य नेताओं से भी बात की, क्योंकि हम चिंतित थे। मैंने तुरंत पुलिस को सूचित किया क्योंकि हम शांति और सामान्य स्थिति चाहते थे।''

बेल्लारी में झड़प के दौरान व्यक्ति को लगी गोली पुलिस की नहीं : गृह मंत्री परमेश्वर

तुमकुरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को दावा किया कि शुरुआती जांच के मुताबिक बेल्लारी में हालिया झड़पों के दौरान एक व्यक्ति को लगी गोली पुलिस के हथियारों से नहीं चलाई गई थी, बल्कि संभवतः एक निजी रिवॉल्वर से चलाई गई थी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मंत्री ने कहा कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों से जब्त किये गए सभी हथियारों की जांच बैलिस्टिक विशेषज्ञ करेंगे। बेल्लारी के कुछ इलाकों में बृहस्पतिवार को तब तनाव फैल गया जब बेल्लारी नगर से कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी और गंगावती से भाजपा विधायक जी जनार्दन रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर लगाने के मुद्दे पर कथित तौर पर हिसंक झड़प हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों द्वारा कथित तौर पर पथराव किया गया और गोलीबारी की गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

परमेश्वर ने कहा, ''मैंने एडीजीपी (कानून व्यवस्था) को मौके पर भेजा था, जो अब भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, जिस गोली से व्यक्ति की मौत हुई है, वह पुलिस द्वारा नहीं चलाई गई थी और पुलिस के गोला-बारूद से मेल नहीं खाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह किसी निजी हथियार से चलाई गई है। गोली को फॉरेंसिक प्रयोगशाला में भेज दिया गया है।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों से जब्त किए गए हथियारों

को बैलिस्टिक जांच के लिए भेजा जाएगा।

मंत्री ने कहा, ''शिकायतों और प्रति-शिकायतों के आधार पर कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इनकी जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और तदनुसार, मैंने विभाग को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।'' परमेश्वर ने दोनों पक्षों के नेताओं द्वारा दिए गए राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि तथ्य अधिक महत्वपूर्ण हैं और पुलिस उन्हें स्थापित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''अनावश्यक बयानबाजी से कोई फायदा नहीं होगा। नेताओं का बेल्लारी जाकर राजनीतिक माहौल बनाना उचित नहीं है। अगर भड़काऊ बयान दिए गए तो कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।''

परमेश्वर ने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद, यदि आवश्यक हुआ तो बेल्लारी का दौरा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वाल्मीकि प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के आयोजकों को मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्थगित करने की सलाह दी गई थी, जिसका उन्होंने पालन किया। घटना के बाद बेल्लारी के पुलिस अधीक्षक पवन नेज्जुर के निलंबन पर परमेश्वर ने कहा कि उन्हें मौके पर मौजूद रहना चाहिए था, निर्देश जारी करने चाहिए थे और स्थिति को नियंत्रण में लाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ऐसा न होने के कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया है।'' परमेश्वर को संवाददाताओं ने जब बताया कि नेज्जुर ने घटना से कुछ ही घंटे पहले कार्यभार संभाला था, तो उन्होंने कहा, ''ड्यूटी तो ड्यूटी होती है। क्या वह पुलिस विभाग में नए हैं? एसपी स्तर के अधिकारी को तुरंत जिम्मेदारी लेनी चाहिए थी और स्थिति को नियंत्रण में लाना चाहिए था।''

केंद्र 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम को खत्म करे, मनरेगा बहाल करे : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा कि ''उनकी सरकार केंद्र से विकसित भारत-रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी' अधिनियम को खत्म करने और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के कार्यकाल के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बहाल करने की मांग करती है, जिसने गरीबों, कमजोरों, महिलाओं और छोटे किसानों को रोजगार का अधिकार दिया।''

उन्होंने आरोप लगाया कि नया कानून आजीविका का अधिकार छीनता है, पंचायतों की शक्तियों को कमजोर करता है और राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालता है।

सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने मनरेगा को खत्म कर वीबी-जी राम जी' अधिनियम पारित किया है। मनरेगा के तहत गरीब और कमजोर वर्गों, महिलाओं और छोटे किसानों को अपने गांव में काम मांगने का अधिकार था। अब नए अधिनियम में यह सरकार तय करेगी कि किस ग्राम पंचायत में काम कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ''कांग्रेस पार्टी और राज्य सरकार इस मुद्दे को एक साथ उठाएंगी और इस संबंध में तुरंत एक कार्य योजना बनाई जाएगी।'' उन्होंने कहा, कांग्रेस जनता, मजदूरों और समान विचारधारा वाले सभी लोगों के साथ मिलकर तब तक संघर्ष करेगी, जब तक वीबी-जी राम जी' वापस नहीं लिया जाता। जैसा कि कृषि कानूनों के मामले में हुआ था। नए कानून के प्रभाव पर टिप्पणी करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, मोदी सरकार ने इस अधिनियम के जरिए तीन काम किए हैं। इसने समाज के कमजोर वर्ग खासतौर पर महिलाओं, गरीबों और छोटे किसानों का आजीविका का अधिकार छीना है, पंचायतों की शक्तियां कम की हैं और बिना किसी परामर्श के राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला है। सरकार ने न तो राज्यों से और न ही जनता से परामर्श किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से 'वीबी-जी राम जी' को खत्म करने और मनरेगा को बहाल करने का आग्रह करती है। उन्होंने कहा, हम लोगों के रोजगार के अधिकार को बहाल करने और पंचायतों के स्वशासन के अधिकारों को भी पुनः स्थापित करने की मांग करते हैं।

उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को बेलगावी जिले के सौदत्ती येल्लम्मा मंदिर में आयोजित बनदा हुन्निमे उत्सव में श्रद्धालु आस्था और भक्ति के साथ भाग लेते हुए।

वर्ष 2025 में कर्नाटक में सबसे अधिक 198 लोगों ने किया अंगदान

देश में तीसरे स्थान पर रहा राज्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में 2025 में अब तक सबसे अधिक 198 लोगों ने अंगदान किया, जो राज्य के अंग प्रतिरोपण इतिहास में एक नई उपलब्धि है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा 2023 में दर्ज किए गए पिछले रिकॉर्ड को पार कर गया है, जब राज्य में 178 लोगों ने अंगदान किया था।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस उपलब्धि के साथ कर्नाटक ने 2025 में अंगदान के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है, जो राज्य अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश में तमिलनाडु शीर्ष पर रहा, जहां 267 लोगों ने अंगदान किये।

वहीं तेलंगाना दूसरे स्थान पर रहा, जहां 205 लोगों ने अंगदान किया। इस सूची में कर्नाटक तीसरे स्थान पर जबकि महाराष्ट्र और गुजरात में क्रमशः 153 और 152 लोगों ने अंगदान किये।

गुंटूर में तीन दिवसीय विश्व तेलुगु सम्मेलन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर/भाषा। आंध्र प्रदेश के गुंटूर में तीन दिवसीय विश्व तेलुगु सम्मेलन शनिवार को यहां भगवान वेंकटेश्वर के विवाह समारोह के साथ शुरू हुआ। आंध्र प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सी. अय्यन्नापात्रुडु ने इस सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन गुंटूर शहर के बाहरी इलाके में स्थित श्री सत्य स्पिरिचुअल सिटी ग्राउंड्स' में हो रहा है और यह पांच जनवरी को समाप्त होगा। इसमें कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

आयोजकों के अनुसार उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों, हजारों विद्यार्थियों तथा देश-विदेश के तेलुगु संघों के प्रतिनिधियों के भी इस कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है।

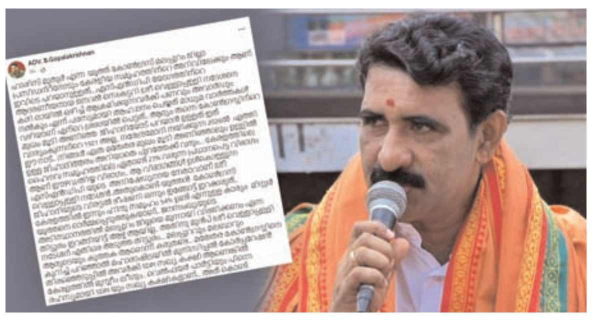

युवा कांग्रेस नेता के फेसबुक पोस्ट की भाजपा ने कड़ी आलोचना की

तिरुवनंतपुरम/भाषा। एसएनडीपी योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन के ऊपर काला तेल डालने वालों को पुरस्कृत करने के संबंधी युवा कांग्रेस के एक पदाधिकारी के कथित फेसबुक पोस्ट पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मीडिया के एक हिस्से में खबर छपी/प्रकाशित हुई है कि युवा कांग्रेस के मलप्पुरम जिला अध्यक्ष हारिस मुदुर ने शुक्रवार को फेसबुक पोस्ट में कहा है कि नटेसन के ऊपर काला तेल डालने वालों को पुरस्कार और नकद इनाम दिया जाएगा।

यह फेसबुक पोस्ट कथित तौर पर नटेसन द्वारा हाल में एक टेलीविजन रिपोर्टर के खिलाफ की गई अतिवादी टिप्पणी के मद्देनजर किया गया था। हालांकि, युवा कांग्रेस नेता का यह पोस्ट अब फेसबुक से हटा दिया गया है। भाजपा नेता के. गोपालकृष्णन ने शनिवार को इस फेसबुक पोस्ट को लेकर मुदुर पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह जिहादी मानसिकता का प्रतिबिंब है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर, गोपालकृष्णन ने कहा कि श्री वेल्लापल्ली नटेसन के समर्थक और विरोधी हिंदू समुदाय के भीतर मौजूद हो सकते हैं एवं यह उनका आंतरिक मामला है। उन्होंने युवा कांग्रेस नेता को याद दिलाया कि यह 2026 का भारत है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आप चाहे जितने भी धर्मनिरपेक्ष मुखौटे पहन लें, आपके भीतर की जिहादी मानसिकता अंततः सामने आ ही जाएगी।''

गोपालकृष्णन ने कहा कि नटेसन जैसे हिंदू समाज के एक अत्यंत सम्मानित नेता पर काला तेल छिड़कने का खुला आह्वान भविष्य में एक खतरनाक स्थिति का संकेत है। उन्होंने भाजपा को सत्ता में लाने का आह्वान करते हुए कहा, केरल में भाजपा को सत्ता में क्यों आना चाहिए? सिर्फ हमारे लिए ही नहीं, बल्कि इसलिए कि आने वाली पीढ़ियां हमारे छोटे से केरल में सुरक्षित रूप से रह सकें। इसके लिए भाजपा का यहां सत्ता में आना आवश्यक है। इस संबंध में युवा कांग्रेस नेतृत्व की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

नववर्ष समारोह के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस से बदसलूकी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में नववर्ष समारोह के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान चेन्नई के निवासी अंश मेहता और पर्व राठी के रूप में हुई है। उसने बताया कि घटना के समय दोनों आरोपी नशे की हालत में थे।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के अनुसार, विधान सौधा थाने में तैनात रवि के. बुधवार देर रात एक बजकर 40 मिनट पर 'इंडियन एक्सप्रेस बिल्डिंग' के पास गश्त पर थे। उसने बताया कि इस दौरान चार महिलाएं कैब का इंतजार कर रही थीं, तभी दोनों आरोपी कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने लगे। जब पुलिसकर्मी ने उन्हें वहां से जाने को कहा तो आरोपियों ने उनकी जैकेट फाड़ दी और उन पर हमला किया और ड्यूटी में बाधा उत्पन्न की।

पुलिस के अनुसार, थाने लाए जाने के बाद भी दोनों आरोपियों ने कर्मचारी और जांच अधिकारी के साथ दुर्व्यवहार किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 121(1) (लोक सेवक को उसके कर्तव्य से रोकने के लिए स्वेच्छा से चोट या गंभीर चोट पहुंचाना) और 3(5) (साझा इरादा) के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू की शुरुआत, पुडुकोट्टई में पहला आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुकोट्टई। तमिलनाडु में शनिवार को इस साल के पहले जल्लीकट्टू कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुडुकोट्टई जिले के थचनकुरिची गांव में आयोजित इस प्रतियोगिता में 900 से अधिक सांडों और लगभग 300 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तमिलनाडु में जल्लीकट्टू पोंगल उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाने वाला एक पारंपरिक खेल है, जिसमें सांडों को काबू में करने की कोशिश की जाती है। शनिवार के इस आयोजन में तिरुचिरापल्ली, डिंडीगुल और शिवगंगा सहित पड़ोसी जिलों के कई सांड शामिल हुए। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन राज्य सरकार में मंत्री एस रघुपति और शिव वी मेयनाथन तथा जिलाधिकारी एम अरुणा ने किया।

आयोजकों ने बताया कि जीतने वाले प्रतिभागियों और सांडों के मालिकों के लिए मोटरसाइकिल, साइकिल, खाना पकाने के पारंपरिक बर्तन और भंडारण पात्र जैसे पुरस्कार रखे गए हैं। यह कार्यक्रम यहां पुनिता विन्नेरप्पु अन्नाई आलय तिरुविझा' के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जो एक धार्मिक उत्सव है। इसमें गणवेश पहने 300 प्रतिभागी बड़े उत्साह के साथ वाडीवासल' (प्रवेश द्वार) से खेल के मैदान में तेजी से निकलते सांडों को काबू में करने के लिए पहुंचे। नियमों के अनुसार, कोई खिलाड़ी सांड के कूबड़ को कितनी देर तक पकड़कर रखता है, इसी आधार पर उसे विजेता घोषित किया जाता है। यही मापदंड सांड के मालिक को विजयी चुनने के लिए भी अपनाया जाता है।

तमिलनाडु का यह अनूठा खेल 'जल्लीकट्टू' पोंगल उत्सव के साथ आयोजित किया जाता है। जनवरी के मध्य में पोंगल सप्ताह के दौरान मदुरै के अलंगनल्लूर और अवनियापुरम में होने वाले प्रमुख आयोजन वैश्विक आकर्षण का केंद्र होते हैं, जिन्हें देखने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)
आरओसी स्पोर्ट्स एरेना, हुब्बलियन की एक वर्ष की अवधि के लिए किराया आधार पर आउटसोर्सिंग के लिए रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)
1. आमंत्रण
रेलवे अधिकारी क्लब, हुबली आरओसी स्पोर्ट्स एरेना, हुबली की किराया आधार पर एक (1) वर्ष की अवधि के लिए, शर्तों एवं निबंधन के अधीन, आउटसोर्सिंग, प्रचालन और अनुरक्षण हेतु पात्र, अनुभवी और प्रतिष्ठित एजेंसियों/फर्मों/ऑपरेटर्स से रूचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।
2. ईओआई की प्रस्तुति
अपेक्षित विवरण
अनुलग्नक-I में उपलब्ध हैं और यह https://drive.google.com /file/d/1ckC5oY3KH-vcaUBKSk-3-mG1dZ15x Sof/view?usp= drive_link पर उपलब्ध हैं। इच्छुक एजेंसियां अपनी रूचि की अभिव्यक्ति
अनुलग्नक-II (https://drive.google.com/file/d/1ckC5oY3KH-vcaUBKSk-3-mG1dZ15x Sof/view?usp=drive_link में उपलब्ध) में सूचीबद्ध सभी दस्तावेजों के साथ, विधिवत हस्ताक्षरित, मुहरबंद और उस पर
''आरओसी स्पोर्ट्स एरेना, हुबली की आउटसोर्सिंग हेतु ईओआई'' लिखकर प्रस्तुत करेंगी।
प्रस्तुति की अंतिम तिथि और समय: 12.01.2026 है।
प्रस्तुति के लिए पता: डीआरएम (वर्क्स) ब्रांच, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, निकट एसबीआई मुख्य शाखा, केशवपुर, हुबली-580023,
संपर्क विवरण: 9731668200
वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वय/हुबली
PUB/796/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

पीड़ित और जरूरतमंद को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए हों प्रयास : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता समाज की महत्वपूर्ण धूरी है। न्याय के प्रति विश्वास को कायम रखने में उनकी विशेष भूमिका है। अधिवक्ता अपने कार्य में शुचिता, सौहार्द और संवेदनशीलता का सम्मिश्रण करते हुए पीड़ित और जरूरतमंद को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के लिए प्रयास करें।

देवनानी शनिवार को उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज में उदयपुर बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज्ञानप्रकाश गुप्ता ने की। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था का इतिहास काफी प्राचीन है। मनुस्मृति और कौटिल्य अर्थशास्त्र में भी इसका उल्लेख है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अधिवक्ताओं का बड़ा योगदान रहा है। महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाला लाजपत राय, चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य, चितरंजन दास जैसे अनेकों अनेक स्वतंत्रता सैनानी पेशे से वकील रहे हैं। आजादी के बाद भारत के संविधान की रचना में भी अधिवक्ताओं की खास भूमिका रही है।

देवनानी ने कहा कि अधिवक्ता का कार्य सिर्फ अपने मुवक्किल के पक्ष में मुकदमा जीतना नहीं होना चाहिए, अपितु न्याय की सुनिश्चितता का ध्येय सर्वापरि होना चाहिए। कानून पर समाज का भरोसा कायम रखने की जिम्मेदारी शासन–प्रशासन और बैंच–बार की समान रूप से है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता युवाओं को प्रेरित और संस्कारित करें, ताकि न्याय की गरिमा बनी रहे।

देवनानी ने कहा कि न्याय की देवी की आंखों पर पट्टी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वह पट्टी हटा दी है। इससे न्याय के प्रति पारदर्शिता और निष्पक्षता के भाव और अधिक मजबूत होंगे।

कार्यक्रम में बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने विधानसभा अध्यक्ष से उदयपुर में हाईकोर्ट बैंच की लंबित मांग को पूर्ण कराने में सहयोग की अपील की। इस पर देवनानी ने आश्वस्त किया कि बार प्रतिनिधिमंडल के जयपुर आगमन पर मुख्यमंत्री, कानून मंत्री आदि से मुलाकात में वे सेतु की भूमिका निभाएंगे।

मेला

सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 का भव्य समापन रविवार, 4 जनवरी को होगा। समापन से एक दिन पूर्व जयपुर में शनिवार को मेले में भारी भीड़ उमड़ी और रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की गई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया।

पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की प्रगति की समीक्षा

राजस्थान ने किया 79% बजट व्यय : डॉ. किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शनिवार को वीसी के माध्यम से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, सिक्किम, मिजोरम एवं तेलंगाना राज्यों के कृषि मंत्रियों, विभागीय सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम–आरकेवीवाई) की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भारत सरकार से प्राप्त 425 करोड़ रुपये के बजट के विरुद्ध अब तक 333 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं, जो कि कुल आवंटन का लगभग 79 प्रतिशत है। इस राशि से प्रदेश के किसानों को योजना के तहत व्यापक लाभ प्रदान किया गया है। शेष बजट राशि को भी शीघ्र ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व्यय कर किसानों को लाभान्वित किया जाएगा।

डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि प्रदेश सरकार किसान कल्याण के लिए सदैव प्रतिबद्ध है तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ कृषक हित में कार्य कर रही है। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री को 1819 जनवरी को सवाई माधोपुर में आयोजित होने वाले अमरूद महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया।

उन्होंने बैठक में यह भी अवगत कराया कि वर्ष 2017 के बाद बाजार में सिंचाई संयंत्रों की दरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने केंद्र सरकार से प्रचलित इकाई लागत में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि करने तथा फार्म पॉन्ड (खेत तलाई) के लिए दिए जाने वाले अनुदानों में भी बढ़ोतरी करने का अनुरोध किया।

बैठक में अन्य राज्यों द्वारा भी योजना की प्रगति एवं चुनौतियों पर अपने–अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए।

भ्रमण

केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर प्रवास के दौरान प्रातः भ्रमण नमो वन बायोडावर्सिटी पार्क में किया, इस दौरान सैर पर आये लोगों से उन्होंने जिले के विकास पर संवाद किया। यादव ने भ्रमण के लिए आए लोगों से संवाद कर उन्हें नव वर्ष की शुभकामनायें दीं और अलवर की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि अलवर का चहुंमुखी विकास उनकी प्राथमिकता है और इस दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं।

सरकारी विद्यालयों में बच्चों के लिए अखबार पढ़ना अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान सरकार ने विद्यार्थियों में समसामयिक विषयों की समझ विकसित करने, पठन–पाठन की आदत को मजबूत करने और भाषा कौशल में सुधार के उद्देश्य से सभी सरकारी विद्यालयों में रोजाना अखबार पढ़ना अनिवार्य कर दिया। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस बारे में 31 दिसंबर को एक आदेश जारी किया।

आदेश के अनुसार, राज्य के सभी राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए दैनिक अखबार पढ़ना अनिवार्य किया गया है।

इस पहल के तहत विद्यालयों की प्रार्थना सभा में प्रतिदिन 10 मिनट प्रमुख राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं खेलकूद समाचारों के प्रमुख संपादकीय और प्रमुख समाचार घटनाक्रम का वाचन किया जाएगा।

साथ ही विद्यार्थियों की शब्दावली सुदृढ़ करने के लिए रोजाना पांच नए शब्दों का अर्थ सहित परिचय कराया जाएगा।

इसके लिए कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों को दायित्व सौंपा जाएगा। आदेश में बताया गया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय में न्यूनतम दो अखबार (एक अंग्रेजी, एक हिन्दी भाषा का) मंगवाये जाएं जबकि प्रत्येक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में हिन्दी भाषा के दो अखबार मंगवाए जाएं।

इसी तरह अंग्रेजी राजकीय विद्यालयों में न्यूनतम दो अखबार (एक अंग्रेजी, एक हिन्दी भाषा का) मंगवाने को कहा गया है और विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान एक अंग्रेजी व एक हिन्दी के राष्ट्रीय स्तर के अखबार का वाचन कराया जाएगा।

शिक्षा विभाग का कहना है कि इस पहल से विद्यार्थियों में समाचारों के प्रति रुचि बढ़ेगी, सामान्य ज्ञान में विस्तार होगा और भाषा एवं अभिव्यक्ति क्षमता में सकारात्मक सुधार आएगा। शिक्षा विभाग के मुताबिक, यह कदम विद्यार्थियों को जागरूक, विचारशील और आत्मविश्वासी नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट–2026 में प्रदर्शनी का शुभारंभ किया ।

विरासत और प्रकृति का अनूठा संगम है हाड़ौती : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कोटा में चम्बल रिवर फ्रंट के शौर्य घाट पर कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने हाड़ौती की पर्यटन संभावनाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के प्रयासों की सराहना की।

ओम बिरला ने कहा कि हाड़ौती क्षेत्र किलों, बावड़ियों, ऐतिहासिक धरोहरों और धार्मिक आस्था स्थलों से समृद्ध है। चंबल अपने आप में एक प्रमुख आकर्षण है, जहाँ जल और जंगल का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। रिवरफ्रंट, चंबल सफारी, बून्दी का तारागढ़, ऐतिहासिक किले और पारंपरिक मेले–उत्सव पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि हाड़ौती की विरासत, वीरता की कथाएँ और सांस्कृतिक परंपराएँ इस क्षेत्र को विशिष्ट पहचान देती हैं।

बिरला ने कहा कि पर्यटन स्थलों के उन्नयन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चंबल क्षेत्र में अभयारण्य से जुड़ी अधिसूचनाओं के बाद सफारी गतिविधियों को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित और बेहतर अनुभव मिलेगा। उन्होंने ट्रैवल एजेंट्स और होटल उद्योग से आग्रह किया कि वे देशी–विदेशी पर्यटकों को हाड़ौती से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

कोटा होटल फेडरेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि बीते एक वर्ष में हाड़ौती के पर्यटन स्थलों को देश–दुनिया तक पहुँचाने में सराहनीय कार्य हुआ है। ट्रैवल मार्ट जैसे आयोजन हाड़ौती को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में हर वर्ष ऐसे आयोजनों में देश–विदेश के अधिक ट्रैवल एजेंट्स भाग लेंगे।

राजस्थान के अनेक इलाके शीतलहर की चपेट में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के अनेक इलाकों में नए साल के पहले हफ्ते में जारी कड़ाके की ठंड के बीच बीते 24 घंटे में अनेक इलाकों में शीतलहर दर्ज की गई और शनिवार सुबह अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा।

मौसम केंद्र जयपुर ने बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य में कहीं–कहीं शीतलहर चली। साथ ही पूर्वी राजस्थान में कहीं–कहीं घना एवं अत्यधिक घना कोहरा रहा।

इस दौरान सबसे अधिक अधिकतम तापमान चित्तौड़गढ़ में (23 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में (2.8 डिग्री सेल्सियस) रहा।

मौसम केंद्र ने बताया कि राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा बीकानेर, जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ भागों में कुछ दिन सुबह घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। साथ ही न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की और गिरावट हो सकती है।

ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में उभरेगा कोटा हाड़ौती : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने एक विशिष्ट पहल के रूप में कोटा में आयोजित तीन दिवसीय कोटा हाड़ौती ट्रैवल मार्ट के दूसरे दिन सिटी हिल आर्ट में शनिवार को 'बीटूबी' प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां लगी स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

दिया कुमारी ने 26 राज्यों से आए ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स, होटल व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का अवलोकन करने के दौरान पत्रकारों को बताया कि राजस्थान सरकार का विजन है कि राज्य की राजधानी के अलावा भी अन्य शहरों में भी ट्रैवल मार्ट तथा अन्य आयोजन किये जाएं, जिससे स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि अभी जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में ही ज्यादा पर्यटक आगमन होता है लेकिन राज्य के अन्य स्थानों पर भी पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के सभी अनछुए पर्यटक स्थलों पर अब पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। दिया कुमारी ने कहा कि वैश्विक पर्यटन कैलेंडर में कोटा हाडौती भी शामिल करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा हड़ौती में वाइल्ड लाइफ, चम्बल रिवर फ्रंट, यहां के किले, महल, मिनिएचर पेंटिंग,लोक एवं क्राफ्ट जैसे पर्यटन के कई शानदार और अद्भुत आकर्षण हैं। यहां के ऐतिहासिक एवं हेरिटेज स्थल, धार्मिक , ग्रामीण और प्राकृतिक पर्यटन स्थलों के कारण पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं।

दिया कुमारी ने कहा कि कोटाहाड़ौती ट्रैवल मार्ट 2026 केवल एक व्यापारिक आयोजन नहीं बल्कि हाड़ौती क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन क्षमता को नई दिशा देने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में और अधिक मजबूत बनाने के साथसाथ स्थानीय स्तर पर विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कोटा में अब एयरपोर्ट भी शुरू होगा।

अरावली पर्वतमाला का एक तिहाई हिस्सा पारिस्थितिकी जोखिम में : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। एक गैर–राजनीतिक पर्यावरण संरक्षण समूह ने अरावली पर्वतमाला पर उपग्रह–आधारित एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट शनिवार को जारी की जिसमें दावा किया गया है कि इस पर्वत शृंखला का लगभग एक तिहाई हिस्सा गंभीर पारिस्थितिकी जोखिम में है। 'वी आर अरावली' नाम के समूह ने पूरे क्षेत्र में खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। समूह का दावा है कि यह स्वतंत्र विश्लेषण जीआईएस वैज्ञानिकों की एक टीम द्वारा 'ब्रिस्टल एफएबीडीईएम' (बेयर अर्थ मॉडल) के आधार पर किया गया है।

'ब्रिस्टल एफएबीडीईएम' एक उन्नत उपग्रह–आधारित मॉडल है जिसका उपयोग धरती की वास्तविक सतह (पेड़–पौधों, इमारतों आदि को हटाकर) की ऊंचाई मापने के लिए किया जाता है, इसमें एक ऐसा थ्री–डी नक्शा है जो दिखाता है कि जमीन वास्तव में कहां कितनी ऊंची या नीची है– बिना जंगल, मकान या किसी भी मानवीय संरचना के।

अध्ययन के अनुसार अरावली की कुल पहाड़ी भूमि का 31.8 प्रतिशत हिस्सा 100 मीटर से कम ऊंचाई का है, जिसे मौजूदा सरकारी मानकों के तहत कानूनी संरक्षण से बाहर कर दिया गया है।

समूह ने कहा कि सरकार द्वारा बताया गया 0.19 प्रतिशत का आंकड़ा अरावली की वास्तविक भूवैज्ञानिक संरचना को नजरअंदाज करता है। समूह से जुड़े जलवायु वैज्ञानिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ. सुधांशु ने कहा कि यह निष्कर्ष गंभीर नीतिगत खामी को उजागर करते हैं। उन्होंने कहा, ''कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को गलत तरीके से बंजर भूमि के रूप में खारिज किया जा रहा है, जबकि यही क्षेत्र राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के लगभग 30 करोड़ लोगों के लिए भूजल पुनर्भरण और धूल–रेत को रोकने वाली सबसे बड़ी प्राकृतिक दीवार हैं।''

अध्ययन के अनुसार इन निम्न–ऊंचाई वाली पहाड़ियों से संरक्षण हटने का सीधा असर करीब 30 करोड़ लोगों पर पड़ेगा।

इसके मुताबिक ये पहाड़ियां उन 'खाली जगहों' में स्थित हैं, जहां थार रेगिस्तान पहले से फैल रहा है। इन्हें नष्ट किए जाने से उपजाऊ मैदान भी रेगिस्तान में बदल सकते हैं। जयपुर, गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे जल–संकटग्रस्त शहरों के लिए यही क्षेत्र प्रमुख भूजल पुनर्भरण क्षेत्र हैं।

समूह का कहना है कि अरावली धूल को रोकने वाली प्राकृतिक दीवार की तरह काम करती है। इन पहाड़ियों में खनन से दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण और बढ़ेगा, जिससे स्वास्थ्य संकट गहराएगा।

समूह के अनुसार अध्ययन से जुड़ा पूरा आंकड़ा और मानचित्र सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी 'मैपिंग कोड' और 'एल्गोरिदम' सभी की पहुंच में रखे गए हैं ताकि सरकार और वैज्ञानिक समुदाय इनकी स्वतंत्र जांच कर सके। इन निष्कर्षों के आधार पर समूह ने मांग की है कि पूरी अरावली पर्वतमाला को पूर्ण संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए और पहाड़ तथा पर्वत को ऊंचाई के आधार पर अलग करने की व्यवस्था समाप्त की जाए। इसने सभी प्रकार के खनन पर तत्काल रोक लगाने की मांग भी की।

जनसुनवाई

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर में हसन खां मेवात नगर स्थित अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई में आई 534 परिवेदनाओं के सम्बंध में उन्होंने पूरा फीडबैक लिया । यादव ने कहा कि जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण का प्रयास किया जा रहा है।

पौष पूर्णिमा स्नान पर 21.50 लाख लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। पौष पूर्णिमा स्नान के साथ शनिवार से संगम की रेती पर माघ मेला प्रारंभ हो गया। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं और युवा सुबह से ही गंगा और संगम की ओर जाते दिखाई दिए। शाम चार बजे तक लगभग 21.50 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि माघ मेले के प्रथम स्नान पौष पूर्णिमा पर शनिवार शाम चार बजे तक 21.50 लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इस स्नान पर्व के साथ एक माह का कल्पवास भी आज से शुरू हो गया। त्रिवेणी संगम आरती सेवा समिति के अध्यक्ष

आचार्य राजेंद्र मिश्र ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि माघ मेले में करीब पांच लाख कल्पवासियों का आज से कल्पवास प्रारंभ हो जाएगा जिसके तहत वे दिन में दो बार गंगा स्नान और एक पहर भोजन लेते हैं और बाकी समय अपने आराध्य देवता का ध्यान, पूजन आदि करते हैं। उन्होंने कहा कि कड़ाके की ठंड पड़ने के कारण सुबह स्नानार्थियों की भीड़ थोड़ी कम थी, लेकिन दिन निकलने के साथ उनकी संख्या तेजी से बढ़ी। पौष पूर्णिमा स्नान के लिए दिनभर लोग आते रहे। मेला प्रशासन के मुताबिक सुबह 10 बजे तक नौ लाख श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया था।

प्रयाग धाम संघ के अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल ने बताया कि सुबह से कोहरा होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या अधिक नहीं थी, लेकिन यदि कल्पवासियों की संख्या को जोड़ दें तो शाम तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पौष पूर्णिमा का स्नान किया। आज शाम चार बजे तक पौष पूर्णिमा स्नान मुहूर्त था।

बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए न्यायिक अवसंरचना की दक्षता बढ़ाना आवश्यक : सीजेआई सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका के बुनियादी ढांचे का विकास बेहद जरूरी है ताकि बढ़ती आबादी, बढ़ते मुकदमों और जटिल होते विवादों से संबंधित आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

बिहार के दो-दिवसीय दौरे पर आए सीजएआई पटना उच्च न्यायालय परिसर में बुनियादी ढांचों से जुड़ीं सात परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सात परियोजनाओं में एक एडीआर भवन एवं सभागार, एक आईटी भवन, एक प्रशासनिक भवन, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, एक अस्पताल, पटना उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के लिए एक आवासीय भवन तथा महाधिवक्ता कार्यालय का एक सौध भवन शामिल हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा, पटना उच्च न्यायालय के प्रशासनिक ब्लॉक, आईटी ब्लॉक और अन्य सुविधाओं के लिए शिलान्यास अत्यंत महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि इस अवसर का बिहार में और भी गहरा महत्व है, जो भारत की सभ्यतागत स्मृति में एक विशिष्ट स्थान रखता है। उन्होंने कहा कि न्याय प्रणाली के दक्षता विकास का मतलब है कि उसे बढ़ती आबादी, ज्यादा मुकदमों और जटिल विवादों का सामना करने के लिए तैयार किया जाए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि बिहार में हमेशा से यह समझ रही है कि न्याय कई तरह से हो सकता है, और यहां न्याय का मतलब एक ऐसा सही व नैतिक तरीका अपनाना है जो दूसरों के प्रति सहानुभूति, जिम्मेदारी व समाज की सहमति पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि अदालतों के पास ऐसे संसाधान होने चाहिए जो न्यायिक शक्तियों का सही व प्रभावी तरीके से उपयोग करने में मदद करें। सीजेआई ने कहा, इस प्रयास का पहला आयाम संस्थागत क्षमता है। एक आधुनिक प्रशासनिक भवन न्यायालय के लिए तंत्रिका तंत्र की तरह कार्य करता है।

लालकिला विस्फोट : अदालत ने मल्ला को 16 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को लालकिले के पास हुए विस्फोट मामले के आरोपियों में से एक डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को मल्ला को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। मल्ला को 26 दिसंबर को आठ दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था और एजेंसी ने उसकी हिरासत अवधि समाप्त होने पर उसे अदालत में पेश किया। मीडियाकर्मियों को कार्यवाही कवर करने से रोक दिया गया था। आरोपी को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने नौ दिसंबर को मल्ला को दिल्ली में गिरफ्तार किया था और उसे साजिश का मुख्य आरोपी बताया था। एनआईए की जांच के अनुसार, मल्ला ने जानबूझकर डॉ. उमर-उन-नबी को रसद संबंधी सहायता प्रदान की थी। नबी आत्मघाती हमलावर था, जो वह विस्फोटक से भरी आई20 कार चला रहा था जिसमें 10 नवंबर को लालकिले के बाहर हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। एजेंसी ने नौ दिसंबर को बताया कि मल्ला पर आतंकवादी हमले से संबंधित सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की नई पीढ़ी को मैकाले की मानसिकता से बाहर निकालेगी : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) देश की नयी पीढ़ी को ''मैकाले मानसिकता'' से बाहर निकालने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को लागू करने का माध्यम होगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 29 जुलाई, 2020 को घोषित की गई थी। इसमें स्कूली शिक्षा के साथ-साथ उच्च और तकनीकी शिक्षा में भी कई सुधारों का प्रस्ताव है। प्रधान एक कार्यक्रम के लिए यहां आये थे और उन्होंने इस दौरान 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए कहा कि एनईपी अब अपने छठे वर्ष में है, यह

एक क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि देश को 'मैकाले मानसिकता' से बाहर निकलने की जरूरत है। एनईपी 2020 देश की नयी पीढ़ी को 'मैकाले मानसिकता' से बाहर निकालने का माध्यम बनेगी।'' प्रधान ने कहा, ''भारत युवाओं का देश है और शिक्षा विभाग की यह जिम्मेदारी है कि वह मातृभाषा में शिक्षा, योग्यता और कौशल आधारित अध्ययन के माध्यम से युवाओं और भावी पीढ़ियों को तैयार करे।'' केंद्रीय मंत्री ने शिक्षा में समग्र मूल्यांकन, उद्यमिता और नवाचार पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं को केवल नौकरी चाहने वाले ही नहीं बल्कि नौकरी सृजनकर्ता भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी दिशा में काम कर रही है। सत्रह नवंबर को नयी दिल्ली में छठा रामनाथ गोयनका व्याख्यान देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से थॉमस मैकाले द्वारा फैलाई गई गुलामी की मानसिकता से देश को मुक्त करने का संकल्प लेने का आग्रह किया था। मोदी ने कहा था, ''भारत की सांस्कृतिक और शैक्षणिक नींव के खिलाफ मैकाले द्वारा किए गए अपराध को 2035 में 200 वर्ष पूरे हो जाएंगे। मैं पूरे देश से अपील करना चाहता हूं कि अगले दशक में, हमें मैकाले द्वारा भारत पर थोपी गई गुलामी की मानसिकता से खुद को मुक्त करने का संकल्प लेना होगा।''

सरकार उर्वरक के दुरुपयोग को रोकेगी, संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेगी : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। केंद्रीय उर्वरक मंत्री जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि सरकार विभिन्न विभागों के समन्वय से संतुलित उर्वरक उपयोग और गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए उर्वरकों के उपयोग से संबंधित मुद्दों का समाधान करेगी। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक दिवसीय चिंतन शिविर को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा किसानों को शासन के केंद्र में रखा है और नीतियों का उद्देश्य किसानों के जीवन को आसान बनाना होना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''विभिन्न चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद विभाग ने किसानों की उर्वरक जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।'' उन्होंने बताया कि किसान हितैषी नीतियों के कारण इस वर्ष रिकॉर्ड उत्पादन हुआ और आवश्यकतानुसार आयात भी किया गया। उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि यह विचार-मंथन सत्र वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में उपयोगी सुझाव देने में सहायक होगा।

उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा ने कहा कि सरकार ने विचार-विमर्श में किसानों को केंद्र में रखा है। उन्होंने कहा, ''इस शिविर को इतना संवादात्मक बनाया गया है कि हर विचार पर चर्चा हो सके और सामूहिक समझ से बेहतर नतीजे सामने आएं।'' राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर में आयोजित इस शिविर में 15 समूहों ने नए दौर के उर्वरक, उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भरता, किसानों तक पहुंच और जागरूकता, डिजिटल माध्यमों से उर्वरक व्यवस्था में सुधार और पोषक तत्व आधारित सब्सिडी जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की।

टीएमसी की राज्यसभा सदस्य मौसम नूर की कांग्रेस में घर वापसी

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य मौसम नूर शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गईं। वह पहले भी कांग्रेस में रह चुकी हैं। कांग्रेस ने उनके शामिल होने को घर वापसी करार देते हुए कहा है कि यह इस बात का प्रमाण है कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक मौसम बदल रहा है। नूर कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, पार्टी महासचिव और पश्चिम बंगाल प्रभारी गुलाम अहमद मीर तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शुभांकर सरकार की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुईं। पश्चिम बंगाल में इस साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव संभावित है। नूर का राज्यसभा का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा था। उनके पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव मालदा से लड़ने की संभावना है। नूर का कहना है कि उन्होंने टीएमसी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ रही हैं।

कांग्रेस शुरू करेगी 'मनरेगा बचाओ संग्राम', वीबी-जी राम जी अधिनियम को न्यायालय में चुनौती देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह से करीब 45 दिवसीय 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की शुरुआत करेगी और 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को न्यायालय में चुनौती भी देगी। कांग्रेस के इस अभियान के तहत ग्राम स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक कई कार्यक्रम करने के साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में चार बड़ी सभाएं आयोजित की जाएंगी। पार्टी का कहना है कि उसके इस संग्राम का मकसद यह है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) बहाल हो और नए कानून को वापस लिया जाए।

पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी का यह अभियान 10 जनवरी से शुरू होकर 25 फरवरी तक जारी रहेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मनरेगा के स्थान पर बनाए गए 'विकसित भारत-

जी राम जी अधिनियम' के तहत सिर्फ विनाश भारत और योजना के केंद्रीकरण की गारंटी दी गई है। उन्होंने कहा कि 'मनरेगा बचाओ संग्राम' दिल्ली केंद्रित नहीं, बल्कि पंचायत, प्रखंड और जिला केंद्रित है। उन्होंने यह भी कहा कि नए कानून को न्यायालय में चुनौती दी जाएगी।

बीते 27 दिसंबर को पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मनरेगा के पक्ष में अभियान शुरू करने का फैसला किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, कांग्रेस साफ तौर पर तीन मांगें करती है। 'जी राम जी क़ानून' वापस लिया जाए, मनरेगा को अधिकार आधारित कानून के तौर पर बहाल किया जाए और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल किया जाए। इसीलिए हमने देशव्यापी मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू किया है। खरगे ने कहा, मनरेगा कोई चैरिटी नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिला, भूख और मजबूरी में पलायन कम हुआ, ग्रामीण मज़दूरी बढ़ी, और महिलाओं की आर्थिक गरिमा मज़बूत हुई। जी राम जी' कानून इस अधिकार को खत्म करने के लिए बनाया गया है। कांग्रेस इसका कड़ा विरोध करती है। वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, कार्य समिति की बैठक में फैसला किया गया था कि मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू किया जायेगा। उन्होंने दावा किया कि नया कानून इस तरह से बनाया गया है, ताकि मनरेगा को खत्म किया जा सके। वेणुगोपाल ने कहा कि कोविड और कई दूसरे संकटों के समय मनरेगा एक बड़ा सुरक्षा कवच बनकर सामने आया था।

गायक जुबिन गर्ग की मौत का मामला : चार आरोपियों ने जमानत याचिकाएं दायर कीं

गुवाहाटी/भाषा। गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में चार आरोपियों ने शनिवार को अदालत में जमानत याचिकाएं दायर कीं। कामरूप (मेट्रो) जिला एवं सत्र न्यायालय, जो इस मामले की सुनवाई कर रहा है, ने अगली सुनवाई की तारीख 17 जनवरी तय की है, जिस दिन लोक अभियोजक द्वारा जमानत याचिका पर आपत्ति दर्ज की जाएगी। जमानत याचिकाएं गर्ग के बैंड सदस्य अमृतप्रभा महंत, उनके चचेरे भाई संदीपन गर्ग (एक पुलिस अधिकारी) और उनके दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य द्वारा दायर की गईं। गायक-संगीतकार-अभिनेता जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मृत्यु हो गई थी।

मालवीय, वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और शिक्षाविद मदनमोहन मालवीय के राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए उन्हें सही मायने में राजनेता बताया।

सिंह दिल्ली विधानसभा में दोनों नेताओं के चित्रों का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने ''भारत माता'' विषय पर एक कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद थीं।

सिंह ने कहा कि वाजपेयी और मालवीय के चित्रों का अनावरण उनके शब्दों और कार्यों की एक मौन स्मृति है। उन्होंने लोगों से शिक्षा को राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने का एक साधन मानने का आह्वान किया, जैसा कि मालवीय ने किया था और राजनीति को वाजपेयी की तरह लोक सेवा के रूप में लेने का आग्रह किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मालवीय और वाजपेयी सही मायने में राजनेता थे। सिंह ने कहा कि वाजपेयी ने स्वतंत्र भारत में शिक्षा को राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि उनका (वाजपेयी) मानना था कि संकीर्ण मानसिकता से कोई महान नहीं बन सकता और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि राजनीतिक मतभेद कभी भी कलह में तब्दील न हों।

उन्होंने कहा, ''वाजपेयी ने हमें सिखाया कि सत्ता में रहते हुए विनम्र रहना चाहिए और विपक्ष में रहते हुए राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखना चाहिए। यहां तक कि किसी की आलोचना करते समय भी वह हमेशा गरिमा बनाए रखते थे और उन्हें आहत करने से बचते थे।''

उन्होंने कहा कि वाजपेयी मालवीय के विचारों और कार्यों के सच्चे ''उत्तराधिकारी'' थे। इस कार्यक्रम में दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायी मामलों के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को 'वैनिश कुमार' कहा, भाजपा सांसदों की तुलना 'सांप' से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीपुरद्वार (प. बंगाल)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित अवैध मतदाताओं के नाम हटाने को लेकर शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वैनिश कुमार कहा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसदों की तुलना सांप से की, जो अंततः उन लोगों पर हमला करेंगे, जिन्होंने उन्हें वोट दिया था।

बनर्जी ने उत्तर बंगाल में भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले अलीपुरद्वार में एक रैली को संबोधित किया। बनर्जी ने अपने 19 दिवसीय राज्यव्यापी अभियान 'अबार जीतबे बांग्ला' (बंगाल फिर जीतेगा) के दौरान निर्धारित 26 रैलियों में से दूसरी रैली को संबोधित किया। राज्य में 2026 के विधानसभा चुनाव की घड़ी नजदीक आने के मद्देनजर टीएमसी ने निर्वाचन आयोग और भाजपा दोनों पर अपना हमला तेज कर दिया है।

बनर्जी ने मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर निर्वाचन आयोग पर सीधा निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पात्र मतदाताओं को मनमाने ढंग से सूची से हटाया जा रहा है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी ने कहा, क्या आप ज्ञानेश कुमार को जानते हैं? वह एक जादूगर हैं। वह मतदाता सूची से जीवित प्राणियों को गायब कर सकते हैं और मुर्दों को चला सकते हैं। अब वह 'वैनिश कुमार' हैं। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी नेता चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करते हुए दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय गए थे।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हमने उनसे जानकारी उपलब्ध कराने, सब कुछ सार्वजनिक करने को कहा था। लेकिन अब जादू हो रहा है। जीवित नागरिक गायब हो रहे हैं।''

बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया की तुलना नोटबंदी से करते हुए नरेन्द्र मोदी सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद बनर्जी ने आरोप लगाया, दस साल पहले लोगों को सपने दिखाकर कतारों में खड़ा किया गया था। तब से काले धन की मात्रा बढ़ गई है। दस साल बाद, लोगों को फिर से कतारों में खड़ा किया जा रहा है। पहले लोग सरकार चुनते थे। अब सरकार यह तय करना चाहती है कि कौन मतदाता होगा।

बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए मतदाताओं को भाजपा पर भरोसा ना करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, भाजपा सांसद और सांप एक जैसे हैं। अपने घर के पीछे एक-दो सांप छोड़ दीजिए, सांप तो सांप ही रहेगा। वह आपके द्वारा दिया गया दूध पीएगा और केले खाएगा, लेकिन फिर भी आपको डंस लेगा। वर्ष 2019 से अलीपुरद्वार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के सांसद चुने जाते रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस बार पुरानी सोच को बढ़ावा ना दें। टीएमसी को मौका दें। अगर हम आपके लिए काम करने में विफल रहते हैं, तो अगली बार हमें हटा दें। बनर्जी ने मतदाताओं से मतदान के दौरान बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करते हुए उनसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का उपयोग करने को कहा ताकि लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने वालों को सबक सिखाया जा सके। उन्होंने कहा, संविधान बदलने की चाह रखने वालों को अंततः सत्ता से बेदखल कर दिया जाएगा।

वर्ष 2019 से भाजपा की महत्वपूर्ण बढ़त वाले अलीपुरद्वार जिले पर ध्यान केंद्रित करते हुए, बनर्जी ने इसे उत्तर बंगाल में टीएमसी की वापसी की रणनीति के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, इस बार अलीपुरद्वार को आगे रहना होगा। टीएमसी को सभी बूथ पर जीत हासिल करनी होगी। एक भी बूथ नहीं छोड़ना है।

सुविचार

जो जानवरों के प्रति क्रूर होता है, वह मनुष्यों के प्रति भी कठोरता से पेश आता है। किसी व्यक्ति के हृदय को, जानवरों के प्रति उसके किए व्यवहार से हम जान सकते हैं।

ट्वीट

भारतीय जनता पार्टी, जयपुर शहर के सभी नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आशा है कि आप सभी संगठन की विचारधारा को मजबूत करते हुए अपने दायित्वों का निष्ठा एवं समर्पण से निर्वहन करेंगे।

-दिया कुमारी

नागौर के पूर्व सांसद श्री भानु प्रकाश मिर्धा जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति दें।

-सचिन पायलट

कहानी

बर्थ मार्क

शहर के शिक्षित और सम्पन्न परिवार में तीन बहनों में नेहा सबसे बड़ी थी। तीनों बहनों की उम्र में ज्यादा अंतर नहीं था। सरकारी नौकरी में उच्च पद पर कार्यरत उनके पिता का नियत अवधि के बाद एक शहर से दूसरे शहर ट्रांसफर होने के कारण नेहा और उसकी बहनों की अधिकतर स्कूली शिक्षा कई शहरों के स्कूलों में हुई थी। उच्च शिक्षा उन्होंने इसी शहर में पूरी करी थी। बचपन से ही पढ़ने में होशियार नेहा ने ग्रेजुएशन के बाद एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से एम बी ए की पढ़ाई पूरी करी थी। इसके बाद नेहा लम्बे समय से यहां एक मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्य कर रही थी। उसकी दोनों छोटी बहनों ने ग्रेजुएशन तक शिक्षा प्राप्त करी थी। वक़्त के साथ नेहा के माता-पिता ने अपनी बच्चियों के घर बसाने के लिए अच्छे परिवार और योग्य वर की तलाश शुरु कर दी। नेहा का तीनों में बड़ी होने के कारण पहले उसी के लिए योग्य वर की तलाश शुरु की गई। लेकिन बीतते समय के साथ नेहा के लिए ढंग के रिश्ते की बात कहीं बन नहीं पा रही थी। ज्यादातर मामलों में लड़के वालों ने नेहा की छोटी बहनों से विवाह में रुचि दिखाई तो नेहा को सारी बात समझ में आ गई। भौतिक युग में यथार्थ और मानवीय संवेदना को नहीं समझने वाले बहुत लोग समाज में मौजूद थे। जिनके लिए अपने घर में बहू के रुप में लड़की का सुंदर होना जरुरी था। नेहा के चेहरे पर जन्म के समय से ही एक निशान (बर्थ मार्क)था। कोई लड़का नेहा को पसंद करता भी था तो वह केवल नेहा के परिवार की प्रतिष्ठा और पैसा देखकर ही करता था। इस तरह के लड़के में नेहा और उसके परिवार को किसी तरह की कोई रुचि नहीं थी। जबकि उसकी छोटी बहनों के लिए बिना कहे ही अच्छे रिश्ते आते थे। नेहा के लिए उसके चेहरे पर बर्थ मार्क ही उसकी रंगहीन होती जिंदगी का सबब बनता जा रहा था। उसके विवाह का कोई रिश्ता नहीं होता देख उसकी सहमति से माता-पिता ने छोटी बहनों का रिश्ता तय कर उनका विवाह कर दिया। दोनों बहनें अपने घर में खुश थीं। लेकिन माता - पिता को नेहा का भी जल्दी ही घर बस जाए इस बात की चिंता खाए जाती थी। वे भले ही इस बात का इज़हार नहीं करते थे लेकिन यह सच भी था।

नेहा की बहनें जब अपने बच्चों के साथ पीहर आती थीं तब घर का माहौल कुछ समय के लिए खुशनुमा हो जाता था। लेकिन उसके अलावा मानो घर में उदासी सी पसरी रहती थी। नेहा भी ऑफिस से आने के बाद अपना ज्यादा समय अपने कमरे में एकांत में बिताती थी। घर में सभी की ज़िंदगी में एक ठहराव सा आ गया था। हंसमुख स्वभाव की नेहा वक़्त के साथ शांत और गंभीर होती जा रही थी। गुजरते वक़्त के साथ उसे लगने लगा था कि उसकी जिंदगी में खुशियों के चिराग बुझते जा रहे थे। संसार की चमक दमक और भड़कीले रंगों से दूर नेहा सादगी से रहने लगी थी। क्योंकि उसे लगने लगा था कि ये उसके लिए थी ही नहीं।

वह अक्सर सोचती थी कि क्या सुन्दर होना ही किसी लड़की के दूसरे गुण या अवगुण को ढक देता है ? लड़की की शैक्षणिक योग्यता या व्यवसायिक योग्यता के कोई मायने नहीं हैं ? क्या उसके जैसे रंग रुप वाले इंसान नहीं होते ? उनमें भावनाएं और संवेदनाएं नहीं होतीं ? इस तरह के सवालों के जवाब बहुत कोशिश के बाद भी उसे नहीं मिल पा रहे थे। एक लंबे अरसे से उसके विवाह को लेकर भी किसी तरह की कोई बात घर में नहीं हुई थी। वैसे भी रिश्ते के लिए आए हर लड़के और परिवार के सामने साक्षात्कार में , परिणाम जानते हुए भी , किसी प्रतियोगी की तरह खुद को पेश कर वह थक चुकी थी।

दिसम्बर महीने की अंतिम रात में अंधेरा अपनी चादर फैला रहा था। नूतन वर्ष का स्वागत करने के लिए पूरी सोसाइटी और रेसिडेंशियल टॉवर्स विभिन्न रंग बिरंगी रोशनी से नहाई हुई थी। अचानक उसने देखा कि उसके पिता कमरे में खड़े थे। कमरे की लाइट जलाकर नेहा की ओर देखते हुए पिता ने कहा कल हमारे ही गांव के मेरे पुराने जानकर अमर का लड़का राजन तुम्हे देखने आएगा। राजन हमारे प्रदेश की प्रशासनिक सेवा में काम करता है। जिस लड़की को भी राजन विवाह के लिए पसंद करेगा बहू के रुप में अमर के परिवार को वही पसंद होगी। अपने बेटे का विवाह जल्द ही करवाकर अमर अपनी इस जिम्मेवारी से मुक्त होना चाहते हैं। इस संदर्भ में अमर का अभी फोन आया था। मैंने उन्हे तुम्हारे बारे में बताया तो उन्होंने अपने शहर से नूतन वर्ष के पहले ही दिन हमारे यहां आने का कहा है। अमर का लड़का राजन लगभग तुम्हारी उम्र का ही है। एक बार उनसे मिल लेना। क्या पता कोई बात बन जाए। यह कहकर नेहा के पिता वहां से चले गए।

अपने पिता की पूरी बात सुनकर नेहा को लगा कि एक बार फिर उसे हमेशा की तरह नए साक्षात्कार के लिए खुद को पेश करना पड़ेगा। इस तथाकथित साक्षात्कार के नतीजे से वह वाकिफ़ थी। इसके लिए वह अब मानसिक रुप से तैयार नहीं थी। लेकिन पिता के कहने से उसने किसी तरह खुद को इसके लिए मनाया। रात को सोते समय नेहा को याद आया कि राजन नाम का एक लड़का उसके साथ कक्षा दस से कक्षा बारह तक पढ़ता था। बाद में नेहा के पिता के ट्रांसफर के कारण वह शहर छूट गया और साथ में पुराने साथी भी। आकर्षक व्यक्तित्व वाला बहुमुखी प्रतिभा का मेधावी राजन भीड़ में अलग ही नज़र आ जाता था। जिस तरह राजन अपने आकर्षक व्यक्तित्व के कारण स्कूल में अलग नज़र आता था उसी तरह नेहा भी अपने चेहरे पर बर्थ मार्क के कारण अलग ही नज़र आती थी। पढ़ाई में दोनों कक्षा में पहले या दूसरे स्थान पर रहते थे। नेहा को चेहरे पर बर्थ मार्क के कारण परेशान होता देखकर वह उसे समझाते हुए कहता था कि इंसान की पहचान उसके गुणों से होती है, इस नश्वर शरीर से नहीं। उसके कहने से नेहा भी मान जाती थी। राजन से जुड़ी कई बातें उसे याद आने लगी थीं।

उसे देखने के लिए आने वाला व्यक्ति यदि वही राजन है जो उसके साथ पढ़ता था तो इस कल्पना से नेहा घबरा गई। एक अनजाना भय उसके जेहन में पसरने लगा था। उसे राजन से मुलाकात के बाद के परिणाम की आशंका ने और भयभीत कर दिया। उसने हिम्मत कर किसी तरह अपने पिता से राजन और उसके परिवार के बारे में जानकारी चाही तो पिता ने उनके बारे किसी तरह की कोई ज्यादा जानकारी नहीं होने का कहा। नेहा के पास अपने पुराने किसी भी ऐसे साथी के फोन नम्बर नहीं थे या सम्पर्क नहीं था जो उस राजन के वर्तमान के बारे में कुछ बता सके। यदि आने वाला राजन कोई दूसरा व्यक्ति निकला तो उससे मुलाकात का परिणाम सोचकर भी उसके चेहरे पर कई तरह के रंग चढ़ने उतरने लगे थे। वह एक अजीब सी मानसिक उलझन में फंस गई थी। जिससे बाहर निकलने का उसे कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। अपनी मनोस्थिति किसी को वह बता भी नहीं पा रही थी। उसकी रंगहीन होती ज़िंदगी में अब जब रंगों की शायद कोई गुंजाइश नहीं बची , वे उसका कौन सा रंग देख पाएंगे यह उसकी समझ नहीं आ रहा था। वक़्त ने बहुत पहले ही जन्म के साथ ही ज़िंदगी के उसके रंगों का शायद वजूद ही मिटा दिया था।

नूतन वर्ष के पहले दिन राजन और उसके परिवारजनों को नेहा के यहां आना था। सुबह से ही नेहा का मन किसी काम में नहीं लग रहा था। अचानक डोर बेल की आवाज सुनकर उसके दिल की धड़कनें और तेज हो गई। उसके पिता ने दरवाजा खोला तो देखा राजन अपने माता-पिता के साथ आया था। नेहा के माता - पिता उनके साथ बातचीत में मशगूल हो गए। घर का नौकर उन्हे नाश्ते आदि करवाने में लगा था। अपने पिता की आवाज सुनकर वह ड्राइंग रुम में गई और मेहमानों का अभिवादन किया। उसने तिरछी निगाहों से राजन को देखा लेकिन वह उसे पहचान नहीं पाई। उसे देखते ही राजन बोला ए नेहा , यू..... व्हाट ए कोइनसिडेंस ..... मुझे पहचाना ? मैं राजन हूं। और जोर से हंसने लगा। राजन को हंसता देखकर सभी उसे आश्चर्य से देखने लगे। नेहा और ज्यादा भयभीत हो गई। उसके जेहन में राजन को इस तरह हंसता देखकर उससे अपनी इस मुलाकात के परिणाम को लेकर आशंका के तरह - तरह बादल तैरने लगे। किसी अनजाने भय से वह पसीने से भीग सी गई। उसने हिम्मत करके किसी तरह खुद को संभाला। राजन ने उसे सोफे पर बैठने का इशारा करते हुए अपने माता- पिता से कहा यही है वह लड़की जिसे अपना जीवन साथी बनाकर अपने को मैं भाग्यशाली समझूंगा। नेहा से भी इस रिश्ते के लिए पूछ लीजिए। अरसे बाद नेहा के चेहरे पर खुशी देखकर उसके माता-पिता की आंखों से खुशी के आंसू झरने लगे। नेहा द्वारा इस रिश्ते के लिए हां कहने के बाद कुछ ही देर में दोनों परिवार वाले राजन और नेहा के विवाह की तारीख पर चर्चा करने लगे थे। राजन और नेहा एक दूसरे से बीते वर्षों की बातों में व्यस्त हो गए थे। कुछ दिनों के बाद उनके विवाह की तारीख़ तय हो गई थी। राजन को अपनी ज़िंदगी में पाकर नेहा ने अतीत की अपनी भावनाओं और विचारों को त्याग दिया। राजन उसकी रंगहीन जिंदगी के कोरे कैनवास को तरह- तरह के इंद्रधनुषी रंगों से भरने के लिए आ गया था। उसके चेहरे की चमक और खुशी उसकी नई जिंदगी में रंगों के प्रवेश को साफ बयाँ कर रही थी। मानो उसकी रंगहीन होती ज़िंदगी में खुशियों के बुझते चिराग फिर से एक साथ रोशन हो उठे थे।

सुधीर केवलिया
फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

भोर भई

मैं फुटपाथ पर चल रहा हूँ। बाईं ओर फुटपाथ के साथ-साथ महाविद्यालय की दीवार चल रही है तो दाईं ओर सड़क सरपट दौड़ रही है। महाविद्यालय की सीमा में लम्बे-बड़े वृक्ष हैं। कुछ वृक्षों का एक हिस्सा दीवार फाँदकर फुटपाथ के ऊपर भी आ रहा है। परहित का विचार करनेवाले यों भी सीमाओं में बँधकर कब अपना काम करते हैं!

अपने विचारों में खोया चला जा रहा हूँ। अकस्मात देखता हूँ कि आँख से लगभग दस फीट आगे, सिर पर छाया करते किसी वृक्ष का एक पत्ता झर रहा है। सड़क पर धूप है जबकि फुटपाथ पर छाया। झरता हुआ पत्ता किसी दक्ष नृत्यांगना के पदलालित्य-सा थिरकता हुआ नीचे आ रहा है। आश्चर्य! वह अकेला नहीं है। उसकी छाया भी उसके साथ निरंतर नृत्य करती उतर रही है। एक लय, एक ताल, एक यति के साथ दो की गति। जीवन में पहली बार प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों सामने हैं। गंतव्य तो निश्चित है पर पल-पल बदलता मार्ग अनिश्चितता उत्पन्न रहा है। संत कबीर ने लिखा है, 'जैसे पात गिरे तरुवर के, मिलना बहुत दुहेला। न जानूँ किधर गिरेगा,लग्या पवन का रेला।'

इहलोक के रेले में आत्मा और देह का संबंध भी प्रत्यक्ष और परोक्ष जैसा ही है। विज्ञान कहता है, जो दिख रहा है, वही घट रहा है। ज्ञान कहता है, दृष्टि सम्यक हो तो जो घटता है, वही दिखता है। देखता हूँ कि पत्ते से पहले उसकी छाया ओझल हो गई है। पत्ता अब धूल में पड़ा, धूल हो रहा है।

अगले 365 दिन यदि इहलोक में निवास बना रहा एवं देह और आत्मा के परस्पर संबंध पर मंथन हो सका तो ग्रेगोरियन कैलेंडर का यह वर्ष शायद कुछ उपयोगी सिद्ध हो सके।

बोध कथा

अनोखी कुश्ती

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में दो आदमी रहते थे। उम्र, कद-काठ और स्वभाव में वे एक जैसे थे। वे हमेशा साथ रहते और जब कभी अकेले रहना पड़ता तो उनको लगता जैसे समय उन्हें दुखी करने के लिए ठहर गया हो। ज़िंदगी में चाहे कितने भी दुख और मुसीबतें क्यों न आईं, दोनों ने एक-दूसरे का हाथ इस तरह थामा जैसे दो जिस्म एक जान हों। उनके नाम खुशिआ और हसुआ थे। उनकी कई कहानियाँ और किस्से लोग आज भी बड़े चाव से याद करते हैं।

बुज़ुर्ग कहते हैं कि एक बार उनके मन में विचार आया कि क्यों न बाहर जाकर दुनिया देखी जाए। बस फिर क्या था दोनों ने तैयारी कस ली और चल पड़े। वे कितने ही शहरों, गाँवों और कस्बों में घूमे। कितने ही जंगलों और नदियों को पार किया। ऐसे ही घूमते-घूमते वे एक बार किसी गाँव के बाहर पहुँचे। वहां उन्होंने बहुत बड़ी भीड़ देखी। उन्होंने सोचा, 'यह कैसी भीड़ है? चलो खुद ही देख लेते हैं।' उन्होंने देखा सामने अखाड़ा खोदा गया था और कुश्ती की तैयारी हो रही थी। यह सारे लोग बाघा और शेरा की कुश्ती देखने के लिए आए थे।

दोनों के बीच कुश्ती शुरू हो गई, दोनों ही बहुत मज़बूत पहलवान थे। भीड़ में कई लोग चिल्लाने भी लगे। जब दोनों में से कोई दांव लगाता, तो भीड़ में से कोई ताली बजाता और फिर क्या होता, बस पूछिए मत; उसके पीछे तालियों की बौछार होने लगती। जब वे एक-दूसरे के दांव-पेंच को बचाते तो शोर मच जाता। काफ़ी देर तक ऐसे ही कुश्ती चलती रही, ऐसा लग रहा था कि दोनों में से कोई हारेगा नहीं।

भीड़ बढ़ती ही चली जा रही थी। इतने में शेरे ने जरा सा भीड़ की तरफ देखा और बाघे ने ऐसा दांव लगाया के शेरा चित्त हो गया। लोग चिल्लाने लगे और आसमान तालियों से गूंज उठा। बाघा खुशी के मारे कुलांचें भरने लगा और तालियाँ बजाने लगा। लोगों ने उसे अपने कंधों पर उठा लिया। शेरा उदास होकर एक तरफ़ बैठ गया। वह मायूस होकर सोचने लगा, 'मैंने भी तो कोई कसर नहीं छोड़ी।' किसी ने उसकी परवाह तक नहीं की। यह देखकर हसुआ गाँव के मुखिया के पास गया। उसने मुखिया से पूछा,

अगर मैं और मेरा साथी तुम्हें कुश्ती दिखाएँ, तो तुम्हें कोई आपत्ति तो नहीं होगी ? गाँव का मुखिया थोड़ा मुस्कुराया और बोला, 'नहीं, भला इसमें हमें क्या आपत्ति हो सकती है।' खुशिआ और हसुआ कमर में लंगोट बाँधे अखाड़े में आ गए। काफ़ी देर तक दोनों ने अपने अद्भुत कौशल का प्रदर्शन किया। लोग उनके दांव-पेचों की सराहना करते रहे। बाघा और शेरा भी इस लड़ाई का आनंद ले रहे थे। सब एक-दूसरे के आगे खड़े होकर कुश्ती देखने की कोशिश करने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे दोनों ने मिलकर मेला लूट लिया हो। आखिरकार, खुशिए ने हसुए को पटक दिया। लोग एक-दूसरे से बढ़ चढ़कर ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगे।

यह क्या ? हसुआ भी खुशी से नाचने लगा। शेरा, बाघा और कई अन्य लोग अचंभित होकर उसे निहारने लगे। उनमें से एक ने उससे पूछा, तुम तो कुश्ती हार गए हो, फिर भी इतने खुश क्यों हो? वह फिर हँसा और बोला, मैं खुश क्यों न होऊँ? मैंने भी अपनी तरफ़ से बेहतरीन कुश्ती दिखाई, तभी तो मेरे साथी ने इतनी अच्छी कुश्ती दिखाई और मुझे हरा दिया। अगर मैं इतनी अच्छी कुश्ती नहीं दिखाता, तो वह भी अच्छी कुश्ती कैसे दिखा पाता? और वैसे, वह भी तो मेरा दोस्त ही है। गाँव के मुखिया को बात समझ में आ गई। इनाम देते हुए उसने शेरे को भी बराबर का सम्मान और इनाम दिया और हसुए-खुशिए को कई दिनों तक अपने गाँव में मेहमान बनाकर रखा।

ईर्ष्यालु चाचा

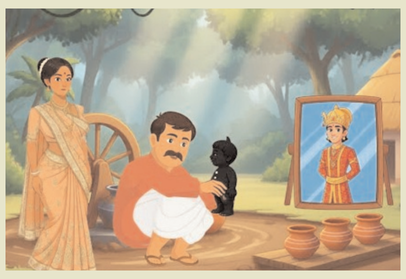

आसाम के डुमडुमा गाँव में होमेन नामक युवक रहता था। उसके पिता मर चुके थे। माँ ने ही उसे पाल-पोसकर बड़ा किया था। होमेन के चार चाचा थे। वे उससे बहुत जलते थे। एक दिन उन्होंने होमेन के घर से उसका प्यारा बछड़ा चुराया और उसे मार दिया। होमेन को पता चला तो वह बहत दुखी हुआ। फिर न जाने उसे क्या सूझी। बछड़े का सिर काटकर शेष शरीर को दफना दिया। पास के गाँव में एक ब्राह्मण रहता था। बछड़े का कटा सिर उसके आँगन में छिपाकर होमेन ने बाह्मण से कहा- 'आपके घर से तो गौमांस की बदबू आ रही है।' ब्राह्मण गरजकर बोला- 'असंभव, यदि ऐसा है तो मुझे गाय का मांस ढूँढ़कर दिखा।' होमेन ने बछड़े का सिर उसके आगे ला रखा। ब्राह्मण के तो हाथों के तोते उड़ गए।

उसने होमेने को बहुत-सा धन दिया ताकि वह गाँववालों को उस बात के बारे में न बताए। होमेन ने थैली भर धन लिया और अपने चाचाओं को दिखाकर बोला, 'पास के गाँव वालों ने मुँहमाँगे दामों पर गौ माँस खरीद लिया। वे लोग तो और भी माँग रहे थे। मैंने कहा, कल लाऊँगा।' चाचा बहुत खुश हुए। उन सबने भी अपने-अपनी गाय बछड़े मारे और उनका मांस पड़ोसवाले गाँव में ले गए। बस, गाँववालों ने उन्हें गाय का मांस लिए देखा तो जमकर पिटाई की।

बौखलाए हुए चाचाओं ने होमेन की झोंपड़ी में आग लगा दी। होमेन और उसकी माँ बेघर हो गए। बेचारी माँ के आँसू देखकर होमेन तिलमिला उठा। उसने राख इकट्ठी की और एक दूसरे गाँव में जा पहुँचा- 'ले लो, आँख का सुरमा ले लो, इसे लगाकर गड़ा धन मिल जाता है। जिसका ब्याह न होता हो, जल्दी ब्याह हो जाता है।'

हाथ की हाथ एक थैली सुरमा बिक गया। शेष राख होमेन ने छिपा दी। अपने चाचा के पास जाकर बोला, 'मेरी तो झोपड़ी की सारी राख बिक गई।' चाचा ने हैरानी से पूछा, 'राख बिक गई?' 'हाँ, इसमें क्या शक है?' कहकर उसने पैसे दिखाए। फिर होमेन ने उन्हें उकसाया कि वे भी अपनी झोंपड़ी जलाकर उस गाँव में राख बेच आएँ। बड़ी झोंपड़ी की तो राख भी ज्यादा होगी।' उसके सारे चाचा बातों में आ गए। चारों ने अपने-अपने घर फूँक दिए और राख ले जाने की तैयारी करने लगे। होमेन ने कहा, 'गाँववालों से कह देना कि हमें सुरमे वाले ने भेजा है।' ज्यों-ही चारों गाँव में पहुँचे और सुरमेवाले का नाम लिया तो सारा गाँव उनके पास पहुँच गया। देखते ही देखते बाँस की लाठियाँ उन पर पड़ने लगीं। बेचारे पिटते-पिटते घर लौटे। चारों ने गुस्से के मारे होमेन को मारने की योजना बना ली। उन्होंने होमेन को नदी किनारे रस्सी से बाँधा और खुद भात खाने घर चले गए। उनके जाते ही वहाँ से एक सौदागर गुजरा। उसने होमेन से पूछा, 'क्यों भई, तुम्हें यहाँ क्यों बाँधा हुआ है?' होमेन ने बात बनाई, 'जी, मेरे चाचा मेरी शादी एक खूबसूरत लड़की से करना चाहते हैं। मेरे मना करने पर मुझे बाँध दिया।' सौदागर बोला, 'मैं शादी कर लेता हूँ उस लड़की से, क्या ऐसा हो सकता है?'

होमेन ने झट से उसे बाँधा और उसका घोड़ा लेकर रफूचक्कर हो गया। चारों चाचा खा-पीकर लेट गए। आलस के मारे उठा न गया। पिटाई के कारण पोर-पोर दुख रहा था। नौकर से बोले, 'जा तू होमेन को नदी में फेंक आ, हमसे तो उठा नहीं जाता।' नौकर भी कम नहीं था। उसने अपने रिश्तेदार को यह काम सौंप दिया। रिश्तेदार ने सौदागर को ही होमेन समझकर नदी में फेंक दिया।

बेचारा सौदागर चिल्लाता ही रह गया। नौकर ने चाचा को सूचना दी, जी, काम हो गया। चारों मिलकर होमेन की मौत की खुशी मनाने लगे। होमेन ने पेड़ के पीछे छिपकर सब देखा और घोड़ा लेकर चाचाओं के पास जा पहुँचा सबको प्रणाम कर बोला, 'नौकर ने गहरा धक्का नहीं दिया इसलिए केवल घोड़ा मिला। यदि गहरा डूबता तो शायद बैल, गाय व हाथी भी लाता। चारों चाचा फिर उसकी बातों में आ गए। होमेन को पुचकारकर पूछा- 'क्या सचमुच नदी में पशु मिल रहे हैं?' 'हाँ, हाँ, आप लोग भी ले आओ।' होमेन ने कहा। चारों चाचा आलस छोड़कर नदी की तरफ लपके। नौकर को भी साथ ले लिया। तट पर पहुँचकर नौकर को आदेश दिया, 'हम चारों को जोर से पानी में धकेल दो।' नौकर ने आज्ञा का पालन किया। होमेन को सदा के लिए ईर्ष्यालु और दुष्ट चाचाओं से मुक्ति मिल गई।

वीर गाथा

मेजर सतेंद्र धनखड़ : जान पर खेलकर जवानों को बचाया, आतंकवादियों का किया खात्मा

मेजर सतेंद्र धनखड़ का जन्म हरियाणा में फरीदाबाद जिले के मछगर गांव में हुआ था। माता अनीता देवी और पिता सुरेश सिंह के बेटे सतेंद्र साल 2011 में भारतीय सेना की आर्मर्ड कोर में शामिल हुए थे। बाद में, उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की चौथी बटालियन में भेज दिया गया। मेजर सतेंद्र जून 2024 में जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में तैनात थे। सेना को 26 जून को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि डोडा जिले के घने जंगलों में एक मकान में तीन आतंकवादी छिपे हुए हैं। सतेंद्र ने इस सूचना का विश्लेषण करने के बाद संबंधित इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी।

जब आतंकवादियों को घेराबंदी का पता चला तो वे अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे। उस समय मेजर सतेंद्र ने एक आतंकवादी को निशाने पर लिया और उसे तुरंत ढेर कर दिया। अचानक उन्होंने अपने साथी जवान को देखा, जो गोलीबारी की चपेट में आ सकता था। सतेंद्र ने सूझबूझ दिखाते हुए जवान को वहां से हटाया। इस दौरान वे खुद घायल हो गए। मेजर सतेंद्र ने अपनी जान की परवाह न करते हुए जबर्दस्त साहस दिखाया। उन्होंने आतंकवादियों पर जोरदार गोलीबारी की। इससे आतंकवादी बुरी तरह घबरा गए। सतेंद्र ने भारी गोलीबारी के बीच अपने एक और जवान को वहां से हटाया और रेंगते हुए आगे बढ़े। इससे दूसरे आतंकवादी को ढेर करने में मदद मिली और तीसरा आतंकवादी बुरी तरह घायल हो गया।

मेजर सतेंद्र धनखड़ ने जिस तरह शानदार नेतृत्व करते हुए अपने जवानों की जान बचाई और आतंकवादियों का खात्मा किया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, कहा-
मादुरो को पकड़कर देश से बाहर ले जाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काराकस (वेनेजुएला)/एपी। अमेरिका ने शुक्रवार देर रात को वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर ''हमला'' किया। अमेरिका ने कहा है कि देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ लिया गया है और देश से बाहर ले जाया गया है। अमेरिका ने इसे एक असाधारण रात्रिकालीन अभियान बताया जिसकी घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले के कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर की। विस्फोट की कई आवाजें सुनाई दीं और कम ऊंचाई पर उड़ान भरते विमान राजधानी काराकस के ऊपर से गुजरे, जबकि मादुरो की सरकार ने तुरंत ही अमेरिका पर नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने का आरोप लगाया। वेनेजुएला की सरकार ने इसे ''साम्राज्यवादी हमला'' करार दिया और नागरिकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया। तत्काल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि देश में शासन किसके हाथ में है, और यह भी जानकारी नहीं है कि मादुरो अभी कहा हैं।

ट्रंप ने सुबह 4:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) के थोड़े देर बाद ट्रुथ सोशल पर इस घटनाक्रम की घोषणा की। वेनेज़ुएला के कानून के अनुसार, उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज सत्ता संभालेंगी। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई कि ऐसा हुआ है, हालांकि उन्होंने हमले के बाद एक बयान जारी किया। रॉड्रिग्ज ने कहा कि मादुरो, उनकी पत्नी के बारे में कोई जानकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा, हम उनके जीवित होने का सबूत चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, मदुरो और उनकी पत्नी को पकड़ कर देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से चलाया गया। विस्तृत जानकारी जल्द दी जाएगी। उन्होंने बाद में शनिवार सुबह एक संवाददाता सम्मेलन करना निर्धारित किया।

अमेरिका के कानून के तहत इस हमले के कानूनी निहितार्थ तुरंत स्पष्ट नहीं हैं। सीनेट सदस्य माइक ली ने एक्स' पर लिखा कि उन्होंने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से बातचीत की, जिन्होंने उन्हें हमले के बारे में जानकारी दी। रूबियो ने ली को बताया कि मादुरो को अमेरिका में आपराधिक आरोपों के तहत मुकदमे का सामना करने के लिए अमेरिकी कर्मियों द्वारा गिरफ्तार किया गया है। व्हाइट हाउस ने तुरंत यह नहीं बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी को कहां ले जाया जा रहा है। मादुरो को मार्च 2020 में दक्षिणी न्यूयॉर्क जिले में नार्को-आतंकवाद साजिश के आरोपों में अभ्यारोपित किया गया था। मादुरो आखिरी बार शुक्रवार को सरकारी टेलीविजन पर दिखाई दिए थे, जब वे काराकस में चीनी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल से मिल रहे थे। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में 2026 के तीसरे दिन सुबह कम से कम सात धमाके हुए। उसके बाद लोग सड़कों पर निकल आए, जबकि अन्य लोगों ने सोशल मीडिया पर विस्फोटों को सुनने और देखने की जानकारी साझा की। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि इसमें कोई हताहत हुआ या नहीं। हमला 30 मिनट से भी कम समय में समाप्त हो गया और यह भी स्पष्ट नहीं कि आगे और कार्रवाई होगी या नहीं, हालांकि ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि यह ''हमले सफलतापूर्वक'' किए गए। इस बीच, संघीय विमानन प्राधिकरण (एफएए) ने काराकस में विस्फोटों से पहले जारी सैन्य गतिविधि'' के चलते वेनेजुएला के हवाई क्षेत्र में अमेरिकी वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर कई महीनों से दबाव बढ़ाया था।

अमेरिका खुफिया एजेंसी सेंट्रल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (सीआईए) पिछले सप्ताह वेनेजुएला में एक ड्रोन हमले के पीछे थी, जो उस डॉकिंग क्षेत्र पर किया गया जिसका उपयोग वेनेजुएला के मादक पदार्थ गिरोह द्वारा उपयोग किए जाने का अनुमान था। सितंबर में अमेरिका द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से वेनेजुएला की धरती पर यह पहला ज्ञात प्रत्यक्ष अभियान था। ट्रंप महीनों से धमकी दे रहे थे कि मादक पदार्थ ले जाने वाली नौकाओं पर हमला करने के बाद वह जल्द वेनेजुएला की धरती पर स्थित इस तरह के (मादक पदार्थ) ठिकानों पर हमले का आदेश दे सकते हैं। मादुरो ने अमेरिकी सैन्य अभियानों की निंदा करते हुए उन्हें सत्ता से बेदखल करने का एक छिपा हुआ प्रयास बताया है।

हथियारबंद लोग और एक नागरिक मिलिशिया के वर्दीधारी सदस्य काराकस के उस मोहल्ले की सड़कों पर उतर आए जिसे लंबे समय से सत्ताधारी पार्टी का गढ़ माना जाता रहा है। लेकिन शहर के अन्य इलाकों में हमले के कई घंटे बाद भी सड़के खाली रहीं। शहर के कुछ हिस्सों में बिजली नहीं थी, लेकिन वाहन स्वतंत्र रूप से चलते रहे।

काराकस और एक अज्ञात तटीय शहर से प्राप्त वीडियो में आसमान में रोशनी और धुआं दिखा, जबकि लगातार विस्फोटों से रात के समय आसमान रोशन हो गया था। अन्य फुटेज में शहरी परिदृश्य दिखा, जहां एक हाइवे पर वाहन गुजर रहे थे और उनके पीछे की पहाड़ियों पर विस्फोट वह रोशन हो रहे थे। इन वीडियो की पुष्टि एसोसिएटेड प्रेस द्वारा की गई। काराकस के एक सैन्य अड्डे के हैंगर से धुआं उठते देखा गया, जबकि राजधानी के एक अन्य सैन्य प्रतिष्ठान में बिजली गुल थी। इस बीच, एक कार्यालय में काम करने वाली 21 वर्षीय कारमेन हिडाल्गो ने कांपती आवाज में कहा, पूरी जमीन हिल गई। यह बहुत भयानक है। हमने विस्फोटों और विमानों की आवाज सुनी। वेनेजुएला सरकार ने एक बयान जारी कर अपने समर्थकों से सड़कों पर उतरने का आह्वान किया।

म्यामां में आम चुनाव : सैन्य समर्थित पार्टी ने प्रारंभिक परिणाम में बढ़त बनायी

बैंकाक/एपी। म्यांमा में सैन्य शासन द्वारा नियुक्त चुनाव निकाय ने आम चुनाव के परिणामों की घोषणा शुरू कर दी है। अब तक घोषित परिणामों के अनुसार अधिकतर सीटें सैन्य समर्थित पार्टी को मिली हैं, जैसी उम्मीद व्यक्त की जा रही थी। मौजूदा व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि इस चुनाव का मकसद यथास्थिति को वैधता प्रदान करना है। उनका आरोप है कि प्रमुख राजनीतिक दलों को बाहर रखने और सरकार द्वारा असंतुष्टों का दमन किये जाने के कारण चुनाव न तो स्वतंत्र हैं और न ही निष्पक्ष। विपक्षी संगठनों ने मतदाताओं से चुनाव बहिष्कार का आह्वान किया था।

सैन्य सरकार ने बुधवार को कहा कि 28 दिसंबर को पहले चरण के चुनाव में 1.1 करोड़ से अधिक पात्र मतदाताओं में से लगभग 52 प्रतिशत यानी 60 लाख से अधिक लोगों ने वोट डाला। सरकार ने मतदान को एक निर्णायक सफलता बताया। यूनियन इलेक्शन कमीशन (यूईसी) ने शनिवार को सरकारी समाचार पत्र म्यांमा अलिन में घोषणा की कि यूनियन सॉलिडेरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी (यूएसडीपी)' ने 330 सदस्यीय पाइथू ह्लुटाव (निचले सदन) की 38 सीटें जीती हैं। कई सीटों के परिणाम अभी घोषित किए जाने हैं। यूईसी के बयान के अनुसार, 'शान नेशनलिटीज़ डेमोक्रेटिक पार्टी' और 'मोन यूनिटी पार्टी' को एक-एक सीट मिली है। शनिवार को की गयी घोषणा शुरूआती परिणाम हैं, लेकिन यूएसडीपी के नेता पहले चरण की सफलता को लेकर आश्वस्त हैं। यूएसडीपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने शनिवार को एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि उनकी पार्टी ने पहले चरण में कुल 102 में से 88 सीटें जीती हैं। म्यामां में दो सदनों वाली राष्ट्रीय विधायिका है, जिसमें कुल 664 सीट हैं। लगातार सशस्त्र संघर्षों के कारण चुनाव तीन चरणों में कराया जा रहा है। पहले चरण में 28 दिसंबर को लगभग एक तिहाई (102) सीटों पर मतदान हुआ। बाकी सीटों पर 11 जनवरी और 25 जनवरी को मतदान कराए जाएंगे। संघर्ष के कारण 65 क्षेत्रों में मतदान नहीं होगा।

'पेटा इंडिया' ने आवारा कुत्तों को आजीवन कैद में रखने संबंधी प्रस्ताव पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। पशु अधिकार संगठन 'पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स' (पेटा) इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जानवरों को आजीवन कैद में रखने के प्रस्तावों का विरोध किया है और सरकार से आवारा कुत्तों और मवेशियों की आबादी के प्रबंधन के लिए मानवीय और विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया है। संगठन ने कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे अपने पत्र में 'पेटा इंडिया' ने दो दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं - भारत में सामुदायिक कुत्तों के मानवीय प्रबंधन के लिए रोडमैप और भारत में आवारा पशुओं के मानवीय प्रबंधन के लिए रोडमैप - जो अहिंसा और वसुधैव कुटुम्बकम् के सिद्धांतों पर आधारित हैं।

'पेटा इंडिया' ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की एक मानक संचालन प्रक्रिया को लेकर भी चिंता जताई है, जिसमें सामुदायिक कुत्तों को लगभग 20 वर्ग फुट प्रति जानवर के बाड़े में जीवनभर के लिए बंद रखने का प्रस्ताव है।

संगठन द्वारा उद्धृत पशु कल्याण विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि बड़े पैमाने पर जानवरों को कैद में रखने से पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम, 2023 से सार्वजनिक संसाधन हट जाएंगे, जो नसबंदी और रेबीज टीकाकरण पर केंद्रित हैं। 'पेटा इंडिया' के वरिष्ठ नीति एवं कानूनी सलाहकार विक्रम चंद्रवंशी ने कहा, 'अंतिम संस्कार के लिए चिता के आकार के छोटे से स्थान में कुत्तों को जीवनभर के लिए कैद रखना वैज्ञानिक जनसंख्या प्रबंधन नहीं है। यह किसी को इस तरह से कैद में रखना है, जैसे मौत की सजा का इंतजार कर रहे कैदी को रखा जाता है।'' आवारा पशुओं के मुद्दे पर, पेटा इंडिया ने कहा कि बाड़े में बंद रखने से डेयरी फार्म द्वारा पशुओं को छोड़े जाने की समस्या का समाधान नहीं होता है। इसने बताया कि अक्सर बछड़ों को जन्म के समय ही छोड़ दिया जाता है और दूध उत्पादन कम होने पर मादा पशुओं को त्याग दिया जाता है।

न्यूयॉर्क में अभियोग के बाद मादुरो, उनकी पत्नी पर आपराधिक आरोप : अमेरिकी अटॉर्नी जनरल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काराकस (वेनेजुएला)/एपी। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा है कि न्यूयॉर्क में अभ्यारोपित होने के बाद वेनेजुएला के अपदस्थ नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा। बोंडी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''दंपति को जल्द ही अमेरिकी धरती पर अमेरिकी अदालतों में अमेरिकी न्याय का सामना करना पड़ेगा।'' मादुरो को 2020 में न्यूयॉर्क में अभ्यारोपित किया गया था, लेकिन इससे पहले यह ज्ञात नहीं था कि उनकी पत्नी को भी अभ्यारोपित किया गया है।

बांग्लादेश में हमले के तीन दिन बाद हिंदू व्यापारी की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका/नई दिल्ली/ भाषा। बांग्लादेश में तीन दिन पहले बर्बर हमले के बाद आग के हवाले किए गए एक हिंदू व्यापारी की शनिवार को मौत हो गई। अल्पसंख्यक समुदाय के एक नेता ने यह जानकारी दी। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के प्रवक्ता काजोल देबनाथ ने कहा कि दिसंबर से हिंदू समुदाय के किसी व्यक्ति की यह पांचवीं मौत है और बांग्लादेश में कट्टरपंथी समूह अल्पसंख्यक समुदायों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। खोकोन चंद्र दास (50) पर बुधवार रात को शरीयतपुर जिले के केउरभंगा बाजार के पास उस समय हमला किया गया जब वह अपनी दुकान बंद करके घर लौट रहे थे।

देबनाथ ने कहा, ''तीन दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद दास का शनिवार को सुबह निधन हो गया।'' मीडिया में आयी खबर में बृहस्पतिवार को बताया गया था कि दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का व्यवसाय करने वाले दास एक ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रहे थे, तभी हमलावरों ने वाहन को रोक लिया और कथित तौर पर उनकी पिटाई की, धारदार हथियारों से वार किये और फिर उनपर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। खुद को बचाने की कोशिश में दास सड़क किनारे एक तालाब में कूद गए, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शोर मचाया। पुलिस ने बताया कि हमलावर मौके से फरार हो गए। उसने बताया कि स्थानीय लोगों ने दास को बचाया और शरीयतपुर सदर अस्पताल ले गए, जहां उन्हें लगी चोट को देखते हुए ढाका रेफर कर दिया गया था।

ढाका में चिकित्सकों ने बताया था कि दास के शरीर पर कई चोटें आई हैं, जिनमें पेट में गंभीर घाव के साथ-साथ चेहरे, सिर और हाथों पर जलने के घाव भी शामिल हैं। देबनाथ ने कहा, ''दिसंबर महीने में यह पांचवें हिंदू व्यक्ति की मौत है। इस महीने हमने समुदाय पर सात हमले दर्ज किए हैं।'' देबनाथ ने कहा, ''किसी व्यक्ति या उसके घर को जलाने के लिए पेट्रोल या बारूद का इस्तेमाल करना सिर्फ आपराधिक कृत्य नहीं है, बल्कि एक अशुभ संकेत है... शायद हम एक कट्टरपंथी (दक्षिणपंथी) संस्कृति के उदय के साक्षी बन रहे हैं।''

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराध इंसानियत का कत्लेआम : नकवी

नई दिल्ली। पूर्व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख़्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अराजकता और अपराध मानवीय मूल्यों के कत्लेआम की पराकाष्ठा है। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में संवाददाताओं से बातचीत में विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि चुनावी प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधकर चुनावी मैदान नहीं जीता जा सकता।

उनका कहना था कि कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दल चुनाव मैदान में पराक्रम के बजाय चुनाव आयोग से पंगे लेने की कोशिश करते हैं, जिस वजह उनकी दुर्गति हो रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बंगलादेश की स्थिति का हवाला देते हुए कहा, ''बांग्लादेश में जुल्म-जुर्म का जमींदोज होना मुल्क, मानवता और किसी भी मज़हब को महफूज और मज़बूत रखने के लिए ज़रूरी है।'' उन्होंने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ अराजकता और अपराध मानवीय मूल्यों के कत्लेआम की पराकाष्ठा है।

अगस्त्य नंदा अभिनीत 'इक्कीस' ने बॉक्स ऑफिस पर 11.30 करोड़ रुपए कमाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

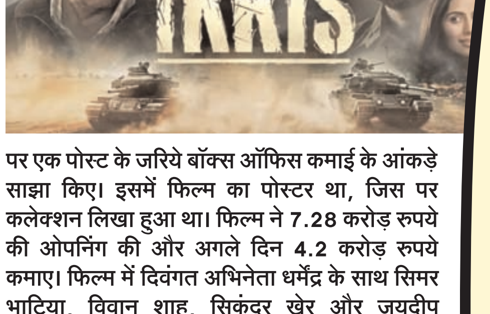

नई दिल्ली/भाषा। अगस्त्य नंदा अभिनीत फिल्म 'इक्कीस'' ने रिलीज के दो दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 11.30 करोड़ रुपये कमाए हैं। दिनेश विजान के प्रोडक्शन बैनर मैडॉक फिल्म्स के तहत निर्मित इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। इसकी पटकथा राघवन ने अरिजीत बिस्वास और पूजा सुरती के साथ मिलकर लिखी है।

इस फिल्म में नंदा ने खेत्रपाल की भूमिका निभाई है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बसंतर की लड़ाई के दौरान 21 वर्ष की आयु में शहीद हो गए थे। उनके साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया, जिससे वे उस समय भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान को प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए। फिल्म निर्माताओं ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट के जरिये बॉक्स ऑफिस कमाई के आंकड़े साझा किए। इसमें फिल्म का पोस्टर था, जिस पर कलेक्शन लिखा हुआ था। फिल्म ने 7.28 करोड़ रुपये की ओपनिंग की और अगले दिन 4.2 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र के साथ सिमर भाटिया, विवान शाह, सिकंदर खेर और जयदीप अहलावत भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

विजय सेतुपति अभिनीत फिल्म 'गांधी टॉक्स' 30 को रिलीज होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विजय सेतुपति और अदिति राव हैदरी अभिनीत फिल्म 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किशोर बेलेकर द्वारा निर्देशित, जी स्टूडियोज की यह फिल्म आधुनिक भारतीय सिनेमा में एक दुर्लभ मूक कृति है, जिसमें मौन ही कहानी कहने का सबसे सशक्त माध्यम है।

बेलेकर ने कहा कि यह फिल्म ''मौन पर भरोसा'' करने के बारे में है। उन्होंने एक बयान में कहा, ''भारतीय सिनेमा ने कहानी कहने के एक सदी से अधिक समय का सफर तय कर लिया है, ऐसे में हम इस माध्यम के सबसे मौलिक रूप - विशुद्ध प्रदर्शन और भावना की ओर लौटना चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''कलाकारों ने उस संवेदनशीलता को पूरी तरह से अपनाया और ए आर रहमान का संगीत फिल्म की आवाज बन गया। जी स्टूडियोज और मीरा चोपड़ा के सहयोग से हम सिनेमा का एक साहसिक और ईमानदार नमूना पेश करने में सक्षम हुए।'' फिल्म में अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव भी मुख्य भूमिका में हैं और इसका संगीत ए आर रहमान ने तैयार किया है।

ब्रिटेन के महाराज की नववर्ष सम्मान सूची में भारतीय उद्यमिता और सामुदायिक भावना देखने को मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स तृतीय द्वारा पिछले साल के उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किये जाने वालों की सूची इस सप्ताह जारी की गई, जिसमें भारतीय मूल के कई पेशेवर भी शामिल है। इस सूची में भारतीयों की उद्यमशीलता, सामुदायिक एकता और परोपकार की भावना देखने को मिली। कैबिनेट कार्यालय द्वारा हर बार नववर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में घोषित किए जाने वाले ये सम्मान, पूरे ब्रिटेन के असाधारण लोगों की उपलब्धियों और सेवाओं को मान्यता देते हैं।

वर्ष 2025 की सूची में सम्मानित किए गए लोगों में भारतीय मूल के लगभग 30 व्यक्ति शामिल थे, जिनमें साहित्य, नाटक और परोपकार के क्षेत्र में सेवाओं के लिए अभिनेत्री-लेखिका मीरा स्याल और वेल्स में सामुदायिक सामंजस्य और चिकित्सा आनुवंशिकी के क्षेत्र में सेवाओं के लिए प्रोफेसर मीना उपाध्याय को दी गई डेमहुड उपाधियां प्रमुख थीं। नागरिक नेतृत्व और परोपकार के क्षेत्र में सेवाओं के लिए ध्रुव पटेल को कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) सम्मान से सम्मानित किया गया है। इस बारे में उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से यह मानना ङ्कङ्करहा है कि अपनी जड़ों पर गर्व करने से आप समाज को और अधिक योगदान दे सकते हैं, और विनम्रता का महत्व ठीक उसी समय सबसे अधिक होता है जब जिम्मेदारी बढ़ती है। सिटी हिंदू नेटवर्क के संस्थापक और निदेशक पटेल ने कहा, सम्मान कभी मंजिल नहीं होते, वे जिम्मेदारी की याद दिलाते हैं। अगर उनका कोई महत्व है, तो वह यह है कि हमें लगातार प्रयास करते रहना चाहिए, संबंध बनाते रहना चाहिए और दूसरों को हमारे साथ

फलने-फूलने के लिए जगह बनाते रहना चाहिए।

रूपेश मोहन मेहता और नीता अवनाश कौर को भी सीबीई से सम्मानित किया गया है। कौर को लघु व्यवसाय वित्त और ब्रिटिश बिजनेस बैंक में सेवाओं के लिए जबकि मोहन को बकिंघमशायर में परिवहन योजना में सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया है। उद्यम, उद्यमिता शिक्षा और नीति के क्षेत्र में सेवाओं के लिए ऑफिस ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) से प्रोफेसर गुरप्रीत सिंह जगपाल को सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा, एक ब्रिटिश सिख के रूप में, मुझे उम्मीद है कि यह सम्मान हर पृष्ठभूमि और समुदाय के अन्य लोगों को आत्मविश्वास के साथ अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बर्मिंघम स्थित एस्टन विश्वविद्यालय के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जगपाल ने कहा, ङ्कङ्कउद्यम और उद्यमशीलता नए अवसर खोल सकते हैं और जीवन को बदल सकते हैं। मैं नवाचार को बढ़ावा देने, भागीदारी बढ़ाने और वास्तविक दुनिया में सार्थक प्रभाव पैदा करने वाली साझेदारियों के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हूं।''

ब्रिटिश महाराज ने रुखसाना कपासी को स्वास्थ्य समानता और रोगी की आवाज के लिए, पावन पोपट को अंतरपीढ़ीगत आवास के लिए और नरिंदर कौर शेरगिल को ब्रिटेन के गंभीर धोखाधड़ी कार्यालय (एसएफओ) में सुरक्षा सलाहकार के रूप में न्याय प्रशासन के लिए ओबीई से सम्मानित किया गया है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बनीं ईसा गुहा उन खेल सितारों में शामिल हैं, जिन्हें समावेशिता और क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के सम्मान में मेम्बर्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (एमबीई) से सम्मानित किया गया है। उन्होंने टेक हर लीड की संस्थापक-अध्यक्ष के रूप में यह सम्मान प्राप्त किया है।

फैशन के क्षेत्र में सेवाओं के लिए फैशन डिजाइनर मणि कोहली को भी एमबीई से सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा, यह सम्मान मेरे माता-पिता को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने एक सैन्य परिवार में पले-बढ़े होने के दौरान मुझमें सिख मूल्यों को स्थापित किया। यॉर्क विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अवतार सिंह मथारू, इंग्लैंड की वरिष्ठ महिला फुटबॉल टीम के चिकित्सा प्रमुख और टीम डॉक्टर डॉ. रितन अश्विनकुमार मेहता, लंदन के हैरो स्थित साई स्कूल की संस्थापक रानू मेहता-राडिया और बलबीर सिंह डांस कंपनी के बलबीर सिंह को एमबीई से सम्मानित किया गया है।

पिछले साल के लिए रेल के सामुदायिक सुरक्षा प्रबंधक मंजिंदर सिंह कांग और लंदन के डीन्सफील्ड प्राइमरी स्कूल के सहायक प्रधानाध्यापक भजन मथारू को ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (बीईएम) से सम्मानित किया गया है। कैबिनेट कार्यालय ने 2025 की नववर्ष सम्मान सूची में सम्मानित किए गए 1,157 लोगों के बारे में कहा कि यह सम्मान प्रणाली ब्रिटेन के संपूर्ण समाज को शामिल करने का प्रयास करती है। विजेता 2026 के दौरान आयोजित होने वाले शाही समारोहों में सम्मानित किये जाएंगे।

'फिटनेस फिएस्टा' का हुआ शुभारंभ, सैंकड़ों महिलाओं ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने खेल, स्वास्थ्य एवं पोषण विषयक एक माह-भर चलने वाले वेलनेस कार्यक्रम फिटनेस फिएस्टा' का उद्घाटन कृष्णाराव पार्क में किया। इस पहल में 130 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। लेडीज़ विंग की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि महिलाएँ जीवन भर परिवार और जिम्मेदारियों को प्राथमिकता देती हैं, जबकि अपना स्वास्थ्य अक्सर पीछे रह जाता है। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, मुख्य प्रायोजक हिम्मत मांडोत, युवा विंग के अध्यक्ष मेहुल श्रीश्रीमाल ने लेडीज़ विंग की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की। सोशल मीडिया सहयोगी हितेश पालरेचा ने इस सकारात्मक पहलों को डिजिटल माध्यमों से समाज तक पहुँचाने के महत्व पर प्रकाश डाला। निधि पालरेचा ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र समर्पण और नियमितता है। लघु घरेलू व्यवसाय मॉडल की अपेक्स संयोजक बिंदु रायसोनी, साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया, जीतो युवा विंग के मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा तथा ममता जैन ने अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में जॉगिंग, दौड़, फुर्ती, संतुलन और सहनशक्ति से जुड़े अभ्यास, मिनी रेज़िस्टेंस लूप बैंड्स सत्र, ऊर्जा योगा स्टूडियो में योग सत्र तथा प्रशिक्षकों द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की संयोजिका संगीता सियाल, अस्मिता चौहान और पूजा नितिन जैन ने व्यवस्था संभाली। निधि पालरेचा ने संचालन किया व संयुक्त सचिव चंद्रा जैन ने धन्यवाद दिया।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो मैसूरु के मुख्य सचिव गौतम सालेचा, भंवरलाल लुकड़, प्रकाश गांधी व श्रमण आरोग्य के संयोजक राजन बागमार ने मैसूरु के आदेश्वर वाटिका में विराजित मुनिश्री उज्ज्वलसागरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पदाधिकारियों ने संतश्री को जीतो हेल्थकार्ड बनवाने का निवेदन किया तथा जीतो के सामाजिक कार्यों की जानकारी दी।

चौविहार छठ यात्रा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद केन्द्रीय समिति द्वारा खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी के आशीर्वाद से साध्वीश्री रत्नमालाश्रीजी की स्मृति में पालीताणा में शत्रुंजय गिरिराज की चौविहार छठ करके सात दिवसीय यात्रा खरतरगच्छाचार्य जिन पीयूषसागरजी, मयूखप्रभसागरजी, मुखरप्रभसागरजी की निश्रा में सम्पन्न हुई। खरतरगच्छ युवक परिषद (केयुप) के राष्ट्रीय व्यापारिक प्रकोष्ठ के संयोजक व बेंगलूरु निवासी ललित डाकलिया ने बताया कि इस यात्रा में गिरिराज की सात यात्रा करीब तीन सौ यात्री शामिल हुए।

वियतनाम की यात्रा पर

'भारत विरोधी लोगों के अतिथि' बनेंगे राहुल गांधी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शनिवार को दावा किया कि हाल ही में जर्मनी से लौटे कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब ''भारत विरोधी लोगों के अतिथि'' बनने और फिर से देश के खिलाफ बोलने के लिए वियतनाम की यात्रा पर जा रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी पर भारत के खिलाफ ''जहर उगलने'' का आरोप लगाते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस से यह सार्वजनिक करने की मांग की कि उन्हें कौन लोग अपने देश में आमंत्रित करते हैं। कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

त्रिवेदी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मीडिया में आई खबरों के अनुसार मलेशिया, कोलंबिया और जर्मनी के बाद, राहुल गांधी अब वियतनाम की यात्रा पर जा रहे हैं।''

राहुल गांधी पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''हालांकि, उनके ठिकाने का पता तभी चलेगा, जब वह कहीं दिखाई देंगे, लेकिन भारत के लोग निश्चित रूप से उन्हें कुछ भारत विरोधी लोगों के अतिथि के रूप में और भारत विरोधी बयान देते हुए देखेंगे, जैसा कि उन्होंने अपनी पिछली विदेश यात्राओं के दौरान किया था।''

गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा बैंकों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए : मुकेश अग्निहोत्री

ऊना (हिप्र)/भाषा। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शनिवार को कहा कि बैंकों की शीर्ष प्राथमिकता समाज के गरीब, जरूरतमंद और कमजोर वर्गों की सेवा होनी चाहिए।

अग्निहोत्री ने ऊना जिले के थथल गांव में यूको बैंक की मरम्मत की गई शाखा का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वास्तविक कारणों से ऋण चुकाने में असमर्थ लोगों को डराने-धमकाने के बजाय उनके साथ संवेदनशीलता, सम्मान और मानवता के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए।

बैंकिंग क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए अग्निहोत्री ने कहा कि उनकी दूरदर्शी नीतियों के कारण ही यह क्षेत्र फला-फूला है।

सबसे बड़ी लक्ष्मी है पारिवारिक शांति : साध्वी शीतलगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु। शहर के कॉक्स टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि लक्ष्मी चंचल है, रोकने से रुकती नहीं, मनाने से मानती नहीं और फेंकने से जाती नहीं्। जो शुभ कर्मों में सिंचित लक्ष्मी का सदुपयोग करता है वहीं लक्ष्मी का निवास होता है। जिस घर में परस्पर प्रेम और सद्भाव का पुष्प खिलता है वहीं पर लक्ष्मी का निवास होता है। पारिवारिक शांति सबसे बड़ी लक्ष्मी है। शुभ कार्यों में लक्ष्मी का उपयोग परमार्थ और प्राणी मात्र की सेवा करने पर अनंत गुना ज्यादा वृद्धि होती है। हमारे हाथों से दिया गया दान ही आत्मा की असली पूंजी है, जो अगले जन्म में भी साथ चलती है। साध्वी शीतलगुणाश्री ने उपस्थित सभी जनों को नए वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी को प्रभु महावीर जैसी शक्ति के साथ क्षमा, गुरुश्री गौतम जैसी लब्धि के साथ विनय, राजा श्रेणिक जैसे साम्राज्य के साथ प्रभुभक्ति, अभयकुमार जैसी बुद्धि के साथ निर्मलता, बाहुबली जैसे बल के साथ विवेक, धन्ना शालिभद्र जैसी ऋद्धि के साथ त्याग प्राप्त हो। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, 108 उवसग्गहरं स्तोत्र अभिषेक, शांतिधारा अखंड अभिषेक का लाभ इंद्राबाई वसंतराज भंसाली ने लाभ लिया।

नवकार महामंत्र की महिमा अपरम्पार है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बुल टेंपल रोड़ स्थित उत्सवलाल बागरेचा के निवास पर शनिवार को आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी ने नवकार महामंत्र की महिमा का बखान करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र चौदह पूर्वो का सार है। नवकार महामंत्र की महिमा अपरम्पार है। दुनिया में जितने भी मंत्र हैं वे सब किसी न किसी इच्छा की प्राप्ति के साथ जुड़े रहे हैं्। लेकिन नवकार महामंत्र की एक महान विशिष्टता है कि जो इच्छाओं को ही खत्म कर देता है। मोक्ष के अनन्त सुख की प्राप्ति की अपेक्षा फिर संसार के तुच्छ संसारी वस्तुओं की कामना और उन्हें प्राप्त करने की कामना बेमानी है। श्रद्धा सहित नवकार महामंत्र का स्मरण साधक को अक्षय सुख की प्राप्ति कराने वाला है और मोक्ष मुक्ति को प्रदान कराने वाला है। जिसको प्राप्त करने के बाद फिर संसारी साधक जीव को कुछ भी पाना शेष नहीं रहता है। नवकार महामंत्र को महापुरुषों ज्ञानी विद्वानों ने चौदह पूर्वो का सार बतलाया है। मुनिश्री ने कहा कि पुण्य को सिर्फ चाहो मत उसे करने के लिए भी हमेशा तत्पर रहना चाहिए्। पुण्य के फल से ही सुख, सम्मान और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मन के समस्त शुभ परिणाम पुण्य के कारण है। उन्होंने कहा कि अहंकार पतन का द्वार है। कभी भी व्यक्ति को अपने धन, वैभव, पद, प्रतिष्ठा का अभिमान नहीं करना चाहिए्। नवकार महामंत्र का नमो शब्द अपने जीवन में विनय गुण को धारण करने और मान अहंकार को खत्म करने की प्रेरणा देता है। मुनिश्री ने बागरेचा परिवार की सेवा समर्पण, गुरु भक्ति की सराहना की।

शालिभद्र मुनिजी ने कहा कि गुरु के बिना जीवन की साधना अधूरी है। गुरु हमारे जीवन निर्माता है। जो हमारे जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं्। हमें जीवन में कभी भी अपने गुरु का उपकार नहीं भूलना चाहिए्। उन्होंने हमेशा सकारात्मक दृष्टिकोण लेकर चलने की बात कही। साध्वी समृद्धिश्रीजी ने कहा कि पापों पर स्टाप, सद्गुणों का स्टाक और आराधना हो टाप तो हमारा जीवन सुखमय खुशहाल बन सकता है। साध्वी ऋषिताजी ने कहा कि परमात्मा की वाणी संसार के हर जीव को मुक्ति की दिशा बोध प्रदान करती है। इस अवसर पर बागरेचा परिवार की ओर से मुमुक्षु लवेश सिंघवी का सम्मान किया गया। आज साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी भी उपस्थित थीं्। कार्यक्रम का संचालन महावीर चंद मेहता ने किया। बागरेचा परिवार ने सबका आभार प्रकट किया।

महारथोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को बादामी में आयोजित श्री बनशंकरी देवी के महारथोत्सव के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भव्य रथयात्रा के दर्शन किए।

कैलेंडर वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की अणुव्रत समिति के सदस्यों ने शनिवार को राजाजीनगर स्थित एक अपार्टमेन्ट में विराजित साध्वीश्री संयमलताजी के दर्शन कर उन्हें नए वर्ष का कैलेन्डर भेंट किया। इस मौके पर उपस्थित अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने संस्था के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। इस मौके पर अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सूरजमल पितलिया, प्रचार प्रसार कविता जैन, विमल पितलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

आचार्य पार्श्वचंद्र के सान्निध्य में सामूहिक सामायिक आराधना में शामिल हुआ बेंगलूरु संघ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी एवं स्थानकवासी समणी मार्ग प्रणेता पदमचंद्रमुनिजी के सान्निध्य में हुब्बल्ली के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में शुक्रवार को आयोजित सामूहिक सामायिक आराधना कार्यक्रम में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा के तपस्वियों एवं कार्यकर्ताओं सहित 150 श्रद्धालु उपस्थित हुए। संघ के प्रायोजक किरणचंद नीरजकुमार बोहरा परिवार थे। इस मौके पर आचार्य पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने सामायिक साधना को सिद्धियों के शिखर पर पहुंचाने वाली साधना बताते हुए कहा कि सामायिक अर्थात समभाव की प्राप्ति। संसार की हर वस्तु से राग और द्वेष भाव से मुक्त होना ही समभाव है। समभाव में स्थिर आत्मा ही मोक्ष को प्राप्त करती है।

अनादि काल से अब तक जितनी भी आत्माओं ने मोक्ष प्राप्त किया है वर्तमान में प्राप्त कर रहे हैं एवं भविष्य में मोक्ष प्राप्त करेंगे वह सब कुछ सामाजिक अर्थात समभाव की साधना का ही परिणाम है। इस मौके पर जयधुरंधरमुनिजी, जयकलश मुनिजी, जयपुरंदर मुनिजी, जयसुबोधमुनिजी ने भी सामायिक के महत्व पर प्रकाश डाला। यात्रा संघ प्रभारी महेन्द्रकुमार चोरड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर संघ के प्रायोजक बोहरा परिवार का वर्षीतप आराधक समिति की ओर से महेन्द्रकुमार मेहता, रेवंतमल नाहर, मीठालाल लोढ़ा, महावीरचंद श्रीश्रीमाल, भंवरीलाल चोरड़िया, जेके महावीरचंद चोरड़िया, उत्तमचंद कोठारी, रमेशचंद गुगलिया, कोमलचंद धोका, रोशनलाल नाहर आदि ने सम्मान किया।

पॉकेट कैलेंडर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चंद्रा लेआउट स्थित बीएमटीसी बस डिपो में शनिवार को बस मार्ग, यातायात नियम एवं अन्य उपयोगी जानकारियों से युक्त वर्ष 2026 का पाकेट कैलेंडर का विमोचन मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं डिपो प्रबंधक प्रकाश ने किया। मुणोत ने डिपो कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सभी से निष्ठा एवं श्रद्धा से काम करने की बात कही।

अरसीकेरे नाकोड़ा तीर्थ में हर्षोल्लास से आयोजित हुआ पूनम मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे परिसर में शुक्रवार को पोष पूनम मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास से किया गया। राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार बेंगलूरु इकाई ने मेले का संपूर्ण लाभ लिया। तुषार गुरु ने शुद्ध मंत्रोच्चार से पार्श्व भैरव महापूजा की। भजन गायक दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा ने भजनों की प्रस्तुति दी। संभव संगीत पार्टी ने सभागार को संगीतमय बना दिया। परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढ़ाया गया। बेंगलूरु के नवगठित दक्षिण शांतिसूरी महिला सेवा मंडल सहित विभिन्न शहरों व क्षेत्रों से भक्त उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने आगंतुको का स्वागत कर मेले के लाभार्थियों का सम्मान किया। इस मौके पर ट्रस्टी मांगीलाल मेहता, मनोहरलाल सुराना, रमेश कटारिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अध्ययन किट वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजय संभव फाउंडेशन ने नए वर्ष की शुरुआत में शनिवार को विद्या विकास स्कूल के 51 जरूरतमंद विद्यार्थियों को अध्ययन किट बांटे। इस किट में कॉपियाँ, पेन, ज्योमेट्री बॉक्स तथा पर्यावरण-अनुकूल सूती बैग शामिल थे। सामग्री वितरण के साथ-साथ पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व, भविष्य के पेशेवर लक्ष्यों और आत्मविश्वास के विकास के लिए प्रेरित किया। फाउंडेशन के स्वयंसेवक रवि राजहंस ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचने का तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने का आह्वान किया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com